हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 108, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 16 अक्टूबर, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

गोरखपुर को 233.20 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की मिली सौगात

चारकोल बनाने वाले प्लांट का हुआ एमओयू, सीएम ने किया शिलान्यास और लोकार्पण

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन गोरखपुर महानगर को 233.20 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान उनके समक्ष नगर निगम और एनटीपीसी के मध्य कूड़े से चारकोल बनाने के प्लांट की स्थापना के लिए एमओयू भी हुआ। सीएम ने नगर निगम की 303 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण समारोह एवं एमओयू आदान प्रदान समारोह में कहा कि नगरीय विकास आज की आवश्यकता है। भारत को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए नगरीय विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इससे लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ तो मिलेगा ही, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना भी बढ़ेगी। रविवार सुबह नगर निगम परिसर में आयोजित समारोह में सीएम ने 189 विकास कार्यों का शिलान्यास व 114 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उनके समक्ष नगर निगम एवं नेशनल थर्मल पॉवर कॉरपोरेशन के बीच कूड़े से चारकोल बनाने का प्लांट स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान प्रदान भी हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को साकार करने के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की महती भूमिका है। गोरखपुर नगर निगम ने एनटीपीसी के सहयोग से इस दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। एनटीपीसी की तरफ से प्लांट लग जाने के बाद नगर निकायों का कूड़ा चारकोल के रूप में बिजली उत्पादन का साधन बनेगा। सीएम ने कहा कि नगरीय विकास के क्षेत्र में अनियोजित और अवैज्ञानिक विकास की सोच ने बड़ी समस्या खड़ी कर दी थी। जगह-जगह कूड़े का पहाड़ दिखता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन ने इस समस्या के निदान में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन किया है। इसी कड़ी में गोरखपुर नगर निगम ने नगरीय जीवन को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ आधुनिक तकनीक से वेस्ट को वेल्थ बनाने की पहल की है। स्मार्ट सिटी बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीएम ने कहा कि सॉलिड वेस्ट का उचित प्रबंधन न होने से कूड़ा ऐसे ही यहां-वहां फेंक दिया जाता था। शहर के एंट्री पॉइंट पर कूड़े के ढेर के दर्शन होते थे। इससे सिटी के विकास पर पानी फिरता दिखता था। अब ऐसा प्लांट लगने जा रहा है जहां कूड़े से चारकोल, सीएनजी का उत्पादन होगा। एनटीपीसी के इस प्लांट से नगर निगम को 25 सालों में 600 करोड़ रुपये की बचत होगी। बचत के इस रुपये का उपयोग विकास के कार्यों में होगा। 500 टन प्रतिदिन कूड़े की जरूरत वाले इस प्लांट से नगर निगम के साथ ही जिले की तमाम नगर पंचायतों के कूड़े का भी समुचित निस्तारण हो जाएगा। इससे शहर के एंट्री पॉइंट पर कूड़ा नहीं दिखेगा और बाहर से आने वाले लोगों के मन में अच्छा संदेश जाएगा। गोरखपुर साफ और सुंदर दिखेगा तो लोगों के मन में यहां के नागरिकों के प्रति सम्मान का भाव बढ़ेगा। सीएम ने बताया कि एनटीपीसी नगर निगम और सरकारी भवनों पर सोलर पैनल भी लगवाएगा और इससे सोलर सिटी के रूप में भी गोरखपुर की पहचान सुदृढ़ होगी। इसके लिए सीएम ने एनटीपीसी को धन्यवाद दिया। सीएम योगी ने गोरखपुर के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि गोरखपुर नगरीय विकास के मॉडल के रूप में स्थापित हो रहा है। सड़क, जलनिकासी, स्ट्रीट लाइट जैसे बुनियादी कार्यों के साथ बुजुर्गों के केयर सेंटर बन रहे हैं।

बरेली सेंट्रल जेल से माफिया डॉन बबलू श्रीवास्तव को लेकर प्रयागराज पुलिस रवाना, कल कोर्ट में है पेशी

बरेली। व्यापारी पंकज महिंद्रा अपहरण कांड के आरोपी माफिया डॉन बबलू श्रीवास्तव को लेकर प्रयागराज पुलिस बरेली से रवाना हो गई। बबलू श्रीवास्तव को रविवार दोपहर करीब ढाई बजे बरेली सेंट्रल जेल से बाहर निकाला गया। उसे कड़ी सुरक्षा के बीच बरेली से प्रयागराज ले जाया गया है। पुलिस बबलू को लेकर प्रयागराज जेल पहुंचेगी। वहां से सोमवार सुबह उसकी प्रयागराज कोर्ट में पेशी कराई जाएगी। अपहरण के मामले की सुनवाई पहले 11 अक्तूबर को होनी थी, लेकिन बरेली पुलिस-प्रशासन ने प्रधानमंत्री के आने को लेकर व्यस्त होने का हवाला देकर सुरक्षा मुहैया कराने से इनकार किया था। इसके कारण बबलू श्रीवास्तव को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका था। पंकज महिंद्रा के अपहरण मामले में अब 16 अक्तूबर को सुनवाई होनी है। बरेली पहुंची प्रयागराज पुलिस की टीम रविवार दोपहर करीब ढाई बजे करीब बबलू श्रीवास्तव को लेकर बरेली से रवाना हो गई है।

इजरायल-हमास युद्ध पर ओवैसी ने दिया फलिस्तीन का साथ, कहा- 70 साल से इजरायल कब्जाधारी बनकर रहा

हैदराबाद। इजरायल और हमास के बीच युद्ध जारी है। जहां भारत से लेकर अमेरिका तक इस युद्ध में इजरायल के समर्थन में हैं। वहीं, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस युद्ध को लेकर मीडिया पर पक्षपात का आरोप लगाया है। चल रहे इजरायल-हमास युद्ध पर प्रतिक्रिया देते हुए, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग के लिए मीडिया पर निशाना साधा और कहा कि इजरायल ने पिछले 70 वर्षों से फलिस्तीनी भूमि पर कब्जा किया हुआ है और इन "अत्याचारों पर दुनिया चुप है।" हैदराबाद में एक सभा में लोगों को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, "21 लाख की आबादी वाले गाजा के गरीब लोगों में से 10 लाख लोग बेघर हो गए हैं। दुनिया इस पर चुप है। जिसने मारा है उसे देखो, लेकिन इन गरीबों ने क्या बिगाड़ा है। गाजा के इन गरीब लोगों ने आपका क्या बिगाड़ा है? मीडिया इस मुद्दे पर एकतरफा रिपोर्टिंग कर रहा है। 70 साल से इजराइल कब्जाधारी रहा है। आप उनका कब्जा नहीं देख सकते, आप अत्याचार नहीं देख सकते।" हमास के खिलाफ चल रहे जवाबी हमले के बीच, इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने उत्तरी गाजा पट्टी के निवासियों को निकासी गलियारों का उपयोग करके एन्क्लेव के दक्षिणी हिस्से में स्थानांतरित करने के लिए कहा था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, "जब आपके घर में 2 दिनों से पानी नहीं है, तो आप जिम्मेदार लोगों को कैसे फोन करना शुरू कर देते हैं? गाजा में पीने के लिए पानी नहीं है, खाने के लिए खाना नहीं है, अस्पतालों में दवा नहीं है।" यह इजरायली सरकार उन्हें उत्तर से दक्षिण गाजा की ओर जाने के लिए कह रही है।"

ईडी अधिकारी बनकर आए बदमाश, घर से लूट ले गए 3.20 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली में लूट का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। बाबा हरिदास नगर इलाके में कार सवार बदमाशों ने ईडी अधिकारी बनकर 3.20 करोड़ लूट लिए। सूचना मिलने पर पीसीआर वैन ने कार का पीछा किया और नरेला में कार को रोक कर 70 लाख रुपये बरामद कर लिए। पीड़ित ने बताया कि शुक्रवार रात में आठ बजे कुछ खाने गए थे। तभी कार सवार पांच से छह लोग उसके घर आ गए। उन्होंने खुद को ईडी का अधिकारी बताया, बदमाश उसे लेकर मित्राऊं और सुरखपुर इलाके में दो घंटे तक घुमाते रहे और फिर घर से पैसे लेकर फरार हो गए, पुलिस ने एक आरोपी सोनीपत निवासी विक्की को पकड़ा है, पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

छत्रपति संभाजी नगर में टेंपो व ट्रक में भिड़ंत, 12 लोगों की मौत; पीएम ने किया मुआवजे का एलान

मुंबई। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में रविवार तड़के एक बड़ा हादसा हुआ। यहां के छत्रपति संभाजीनगर जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार मिनी बस एक कंटेनर ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में कम से कम 12 लोगों की मौत, जबकि 23 अन्य घायल हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि निजी बस में करीब 35 यात्री सवार थे। यह सभी लोग बुलढाणा जिले में सैलानी बाबा दरगाह के दर्शन करके नासिक लौट रहे थे। हादसे की जानकारी मिलने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। साथ ही, पीएम ने पीड़ितों के परिवार के लिए मुआवजे का एलान किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर कहा कि प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायल व्यक्तियों को रुपये दिए जाएंगे। 50 हजार रुपये देने का एलान किया है। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना रविवार आधी रात के बाद एक्सप्रेसवे के वैजापुर इलाके में हुई, जो जिला मुख्यालय से लगभग 80 किमी और राज्य की राजधानी मुंबई से 350 किमी दूर स्थित है। बताया जा रहा है कि बस चालक ने अचानक से नियंत्रण खो दिया, जिससे जंबारगांव टोल प्लाजा के पास बस खड़े कंटेनर ट्रक टक्करा गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। वैजापुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जांच में सामने आया है कि मिनी बस ओवरलोड थी। इसकी क्षमता 17 लोगों को ले जाने की थी, लेकिन इसमें लगभग 35 यात्री यात्रा कर रहे थे। निरीक्षक श्यामसुंदर कवथले ने बताया कि मृतकों में पांच पुरुष, छह महिलाएं और एक नाबालिग लड़की शामिल है। अधिकारी ने कहा कि 23 अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में बस चालक भी शामिल है। उसके सिर पर चोट आई है। वहीं, बस चालक ने दावा किया कि ट्रक अचानक वाहन के सामने आ गया। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

69000 शिक्षक भर्तीः अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास को घेरा, समायोजित करने की मांग की

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों ने आज बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास पर धरना प्रदर्शन किया। पुलिसकर्मियों ने धरना प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को बस में बैठाकर इको गार्डन में भेज दिया। आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों का कहना था कि इस भर्ती में 19000 सीटों पर आरक्षण का घोटाला हुआ है लेकिन सरकार ने 19000 आरक्षण घोटाले के सापेक्ष 6800 की एक लिस्ट निकाली वह लिस्ट भी कोर्ट से रद्द हो गई। सरकार अब कोर्ट में आरक्षण के मुद्दे को निस्तारित कराने में कोई दिलचस्पी नहीं ले रही। जिस कारण आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों को इस भर्ती में न्याय नहीं मिल पा रहा और आज वह इसी वजह से बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास पर धरना प्रदर्शन करने आए हैं। अभ्यर्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि मामला न्यायालय में होने के बाद भी अधिकारी इस मामले में हीलाहवाली कर रहे हैं। इसमें बेसिक शिक्षा विभाग के दो अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने मांग की है कि याची बनकर लड़ रहे अभ्यर्थियों को रिक्त सीटों पर समायोजित करते हुए नियुक्ति के लिए कोर्ट में सरकार पहल करे ताकि आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों को न्याय मिल सके।

आरक्षण के मुद्दे पर लखनऊ हाई कोर्ट में 20 नवंबर को सुनवाई होगी ऐसी स्थिति में सरकार को चाहिए कि वह आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों के पक्ष में कोर्ट में अपना प्रस्ताव पेश करें ताकि न्याय के लिए कोर्ट में याची बनकर लड़ रहे अभ्यर्थियों का रिक्त सीटों पर समायोजन किया जा सके और इस मुद्दे का पूरी तरह से निस्तारण किया जा सके।

बीआरएस ने जारी किया पार्टी का घोषणा पत्र, केसीआर बोले- किसी के बहकावे में न आएं

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान हो चुका है। राजनीतिक पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर ने हैदराबाद में पार्टी के घोषणा पत्र का एलान किया। इस दौरान सीएम ने पार्टी नेताओं-कार्यकताओं से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'मैंने बार-बार कहा है कि कुछ को छोड़कर अन्य सभी मौजूदा विधायकों को जीत मिलेगी। जिन्हें टिकट नहीं मिला है, उन्हें समझाने की कोशिश की है कि विधायकी का टिकट ही अंतिम नहीं है भविष्य में भी कई मौके आएंगे।' केसीआर ने कहा कि कई योजनाएं हमारे पिछले घोषणा पत्र में नहीं थी फिर भी उन्हें लागू किया गया जैसे तेलंगाना अन्नपूर्णा योजना, कल्याण लक्ष्मी योजना और रायतु भीमा योजना। हमने राज्य की जनता से किए 99 प्रतिशत वादों को पूरा किया है। इस घोषणा पत्र में आसरा योजना के तहत दी जाने वाली आर्थिक मदद 2 हजार से बढ़ाकर तीन हजार कर दी गई है। अगले पांच सालों में इस योजना के तहत हर साल पांच सौ रुपये बढ़ाकर इसे पांच हजार किया जाएगा। के चंद्रशेखर ने कहा कि 'कुछ जगहों पर ऐसी घटनाएं हुई हैं, जहां हमने उम्मीदवार बदला है। वहीं अधिकतर सीटों पर सब कुछ आराम से बिना किसी लड़ाई के तय हुआ है। उम्मीदवारों को शांति बनाए रखनी चाहिए और किसी के बहकावे में आकर भड़कना नहीं चाहिए। उम्मीदवारों को लोगों के साथ बैठकर शांति से बात करने और उनकी समस्याओं को दूर करने की जरूरत है। बीते चुनाव में भी मैंने दो उम्मीदवारों को खुद में थोड़ा बदलाव लाने और लोगों से बात करने की सलाह दी थी लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी और दोनों चुनाव हार गए।' मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हम एक लोकतंत्र में रहते हैं और हमें सभी लोगों को साथ लेकर चलना चाहिए। मैंने देखा है कि कई लोगों ने सस्ती राजनीति के चक्कर में बड़े मौके गंवा दिए।

महिला अधिकार सम्मेलन में प्रियंका गांधी वाड्रा का संबोधन, बोलीं- अपनी नियति का निर्माण स्वयं करें

चेन्नई। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में डीएमके के महिला अधिकार सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और उनकी मां सोनिया गांधी भी वहां मौजूद थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग करती हूं। उन्होंने कहा, "आज से बत्तीस साल पहले, अपनी जिंदगी की सबसे अंधियारी रात में मैंने तमिलनाडु की मीन पर पहली बार पांव रखा था। मैं तब उन्नीस बरस की थी और आज जिस उम्र में हूं, तब मेरी मां उससे कुछ साल कम की थीं। जैसे ही हवाई जहाज का दरवाजा खुला, हम रात के अंधेरे में डूब गए, लेकिन मुझे डर नहीं लगा, क्योंकि सबसे भीषण जो हो सकता था, वह हो चुका था।" कुछ घंटे पहले मेरे पिता की हत्या कर दी गई थी। उस रात मैं अपनी मां के पास गई। मैं जानती थी कि जो शब्द मैं उनसे कहने वाली हूं, वे हमेशा के लिये मां का दिल तोड़ कर रख देंगे। मैंने वे शब्द कहे और खुशी की रोशनी को उनकी आंखों में हमेशा के लिए बुझते देखा। अब, जब पिता के क्षत-विक्षत शरीर के हिस्से इकठ्ठे करने के लिये मैं तमिलनाडु में थी, मुझमें किसी बात का कोई भय नहीं बचा था। हवाई जहाज की सीढ़ियां उतर कर हम मीनांबकम हवाई अड्डे की जमीन पर खड़े थे। तभी अचानक नीली साड़ियां पहने हुई स्त्रियों के झुंड ने हमें घेर लिया। जीवन के युद्ध में हमारी पराजय को रोक न पाने वाले देवताओं ने ही शायद उन्हें हमें दिलासा देने भेजा था। वे हवाई अड्डे पर काम करने वाली स्त्रियां थीं। उन्होंने मेरी मां को बाहों में भर लिया और उनके शोक में विलाप करने लगीं, जैसे वे सभी मेरी माएं हों, जैसे उन्होंने भी अपने जीवनसाथी को खो दिया हो। दर्द की साझेदारी के उन आंसुओं ने मेरे दिल को तमिलनाडु की स्त्रियों के साथ एक डोर में बांध दिया। इस रिश्ते को मैं कभी मिटा नहीं सकती, कभी इसकी व्याख्या भी नहीं कर सकती।

अमित शाह ने अहमदाबाद में बीजेपी विधायक कार्यालय का किया उद्घाटन, आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों से की बातचीत

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नारणपुरा विधान सभा के भाजपा विधायक जितेंद्रभाई पटेल के पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी मौजूद थे जबकि कई भाजपा नेता और समर्थक भी मौजूद थे। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को गुजरात पहुंचे। इससे पहले शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने लोकसभा क्षेत्र गांधीनगर में 'आंगनवाड़ी' केंद्रों के बच्चों से बातचीत की। 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर शाह ने लिखा, "आज मैं अपने लोकसभा क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों के साथ एक गेमिंग जोन में गया। यहां बच्चों ने अपने पसंदीदा गेम खेलने का आनंद लिया। एक सांसद के तौर पर मेरा प्रयास है कि मेरे लोकसभा क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को वो सभी सुविधाएं और खुशियां मिलें जो संपन्न परिवारों के बच्चों को मिलती हैं।" अमित शाह ने ट्वीट में आगे कहा, "इसके लिए उन्हें अच्छी शिक्षा और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके बीच

खिलौनों का वितरण और उन्हें गेमिंग जोन में ले जाकर उनका मनोरंजन करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों की खुशी और उत्साह देखकर मैं बेहद अभिभूत हूं।" इस बीच, शाह शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप मुकाबले को देखने के लिए गुजरात के अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दर्शकों के साथ शामिल हुए और शानदार जीत हासिल करने पर भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने 'एक्स' के जरिए टीम इंडिया को बधाई भी दी। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, तिरंगा ऊंचाई पर फहरा रहा है। इस शानदार जीत के लिए हमारी क्रिकेट टीम को बधाई। टीम ने एकदिवसीय विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा है। उन्होंने आगे कहा, आप सभी ने दिखाया है कि एक समान लक्ष्य के साथ निर्बाध टीमवर्क हमारे देश के लिए कितना गौरव हासिल कर सकता है। विश्व कप 2023 जीतने की दिशा में आपके अथक प्रयास के लिए मेरी शुभकामनाएं।

रामपुर में 16 साल बाद मीटर रीडिंग लेने पहुंचे बिजलीकर्मी, ग्रामीणों ने दौड़ाया- कहा अब याद आ गई

रामपुर। रामपुर के शहजादनगर थाना क्षेत्र के सेंडोली गांव में सरकार की ओर से 16 साल पहले मुफ्त में दिए गए बिजली कनेक्शनों की मीटर रीडिंग लेने पहुंची बिजली विभाग की टीम को ग्रामीणों ने खदेड़ दिया। ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए कहा कि उन्हें बिजली कनेक्शन मुफ्त दिए गए थे। बिजली विभाग की टीम ने ग्रामीणों को रीडिंग देने के लिए दो दिन का समय दिया। कहा कि इसके बाद कनेक्शन काट दिए जाएंगे। मामला थाना क्षेत्र के सेंडोली गांव का है। धमोरा बिजलीघर में तैनात अवर अभियंता दीपेश कुमार सक्सेना ने बताया कि सरकार की योजना के तहत 2007 में जुडको कंपनी की ओर से गांव के 14 बीपीएल कार्डधारकों को बिजली कनेक्शन फ्री दिए गए थे। साथ ही मीटर भी लगाए गए थे। मगर ये मीटर चालू नहीं किए गए थे। ग्रामीणों को बिल जमा करना था, लेकिन बिल जमा नहीं किया। बिजली विभाग की टीम गई तो ग्रामीणों ने मीटर शुरू करने नहीं दिया। 16 साल बाद शनिवार को बिजली विभाग उपखंड अधिकारी विवेक यादव के साथ, जेई दीपेश कुमार, लाइनमैन चौके लाल, प्रवेश कुमार, सत्यपाल, धर्मेंद्र व दो सिपाहियों के साथ गांव पहुंचे तो ग्रामीणों ने टीम का घेराव करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। इसके साथ ही मीटर रीडिंग देने से इंकार कर दिया, जिसके चलते टीम लौट गई। जेई दीपेश कुमार सक्सेना ने कहा कि ग्रामीणों को दो दिन का समय दिया गया है। अगर रीडिंग नहीं दी गई तो बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा। काठगोदाम से मुरादाबाद जा रही पैसेंजर ट्रेन से पकड़े गए फर्जी टीटीई को जीआरपी ने जेल भेज दिया। जीआरपी को शुक्रवार को सूचना मिली थी कि काठगोदाम से मुरादाबाद जाने वाली पैसेंजर ट्रेन में युवक रेलवे का टीटीई बनकर यात्रियों की चेकिंग कर उनसे रुपये वसूल कर रहा है। जिसके बाद ट्रेन में ही कुछ यात्रियों ने उस युवक को पकड़ लिया था। रामपुर स्टेशन पर पहुंचते ही उसे जीआरपी के हवाले कर दिया।

संपादकीय

महंगाई का सूत्रधार ओपेक

2023 का सितंबर बीतते बीतते कच्चे तेल की कीमतें 95 डॉलर प्रति बैरल पर खौलने लगीं। 100 डॉलर के अनुमान तैरने लगे। तेल उत्पादकों के कार्टेल यानी ओपक प्लस से अपने मतभेद भुलाकर नए जोश के साथ तेल की महंगाई बढ़ाने में जुट गया था। सऊदी अरब की अगुआई में रूस और अन्य तेल उत्पादक अब उतना ही कच्चा तेल निकालेंगे जिस पर कीमतें उनकी मनमाफिक ऊंचाई पर रहें। रूस तो खैर पश्चिमी का बैरी है। बीते बरस तक अमेरिका की तरफ से सऊदी अरब को समझाने की कोशिश होती थी। इधर जो बाइडन और सऊदी सुल्तान एमबीएस के बीच रिश्ते बिगड़ने के बाद अब कोई नहीं बोलता। दुनिया के 23 देश (13 ओपेक और अन्य 10) ओपेक प्लस जब चाहेगा तब पेट्रोल डीजल सस्ता होगा। तेल उद्योग हमेशा से चुनिंदा उत्पादकों की बादशाहत रहा है। कभी इस पर सात बहनें राज करतीं थीं, आज 23 देश की सुल्तानी है। आइए बैठते हैं टाइम मशीन में और चलते हैं 1945 के वेनेजुएला में...जब एक पत्रकार के जरिये दो तेल मंत्रियों की एक छोटी-सी मुलाकात ने कच्चे तेल का पूरा बाजार ही पलट दिया। इस कहानी के पहले नायक जुआन पाब्लो पेरेज अल्फांजो वेनेजुएला के समृद्ध परिवार से आते थे। उन्हें कारकस के छात्र आंदोलनों ने गढ़ा था। वेनेजुएला में जनरल जुआन विसेंट गोमेज की तानाशाही के खिलाफ चले आंदोलनों का हिस्सा थे पेरेज अल्फांजो। 1945 में पहली लोकतांत्रिक सरकार में वह विकास मंत्री थे। उन्होंने कच्चे तेल उत्पादन पर टैक्स घटाया था। पेरेज अल्फांजो ने ही यह तय किया कि वेनेजुएल में तेल निकालने वाली विदेशी कंपनियां अपना आधा मुनाफा देश में रखेंगी। वेनेजुएला में 1948 में सैन्य तख्तापलट हुआ। अल्फांजो को जेल भेज दिया गया। जेल से छूटे तो पेरेज अल्फांजो को अमेरिका और मेक्सिको में निर्वासन की सजा मिली। अल्फांसो ने इस सजा को मौके में बदला और दुनिया की तेल अर्थव्यवस्था को गहराई से समझना शुरू किया। उस वक्त रेल रोड कमीशन ऑफ टेक्सस अमेरिका में तेल उद्योग का नियामक था। अल्फांजो ने इसके कामकाज का अध्ययन किया। 1958 में वेनेजुएअला में सत्ता बदली। पेरेज अल्फांजो खनन और हाइड्रोकार्बन मंत्री बने। अब आते हैं इस कहानी के दूसरे चरित्र। यानी शेख अब्दुल्लाह इब्न हामूद अल तारीकी। उनके वालिद सऊदी अरब और कुवैत के बीच ऊंटों का कारोबारी कारवां चलाते थे। तारीकी ने टेक्सस में पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी पढ़ी थी। 1948 में वह सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय में अफसर हो गए। 1954 में उन्हें पेट्रोलियम मामलों का डायरेक्टर जनरल बना दिया गया। उनका काम था तेल कंपनी अरामको से मिली सूचनाओं का विश्लेषण करना। अरामको तब अरब व अमेरिकी कंपनियों का विशाल कंसोर्टियम थी। 1960 में पहली बार सऊदी अरब में पेट्रोलियम मंत्रालय बना तो अब्दुल्लाह तारीकी उसके मंत्री थे। 1960 ही वह साल था जब बगदाद में ओपेक का गठन हुआ, जो दुनिया के इतिहास में अपनी तरह पहला वाकया था। दरअसल, 1960 से पहले का तेल बाजार सात ग्लोबल तेल कंपनियों के कब्जे में था। पहली थी एंग्लो इरानियन ऑयल कंपनी जो आज की बीपी है। दूसरी थी रॉयल डच शेल जो आज शेल है। तीसरी थी स्टैंडर्ड ऑयल ऑफ कैलीफोर्निया जिसे आज शेवरॉन के नाम से जाना जाता है। चौथी कंपनी थी गल्फ ऑयल जो अब शेवरॉन समूह का हिस्सा है। पांचवीं थी। टेक्सको इसका भी शेवरॉन में विलय हो गया है। छठी कंपनी थी स्टैंडर्ड ऑयल ऑफ न्यूजर्सी या एस्सो जो अब एक्जॉन मोबिल का हिस्सा है और स्टैंडर्ड ऑयल ऑफ न्यूयार्क सातवीं कंपनी थी जिसे बाद में एक्जॉन मोबिल में मिला दिया गया इन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता था। वैसे यह नाम इन्हें इटली के उद्योगपति एनरिको मैट्टी ने दिया था। एनरिको मैट्टी, बेनिटो मुसोलिनी के फासिस्ट शासन के विरोधी थे। वह तेल उद्योग पर इन सात यूरोपीय अमेरिकी कंपनियों के कब्जे के भी खिलाफ थे। मैट्टी ने इटली की प्रमुख ऊर्जा कंपनी एनी की स्थापना की थी जो आज करीब 13 अरब यूरो का कारोबार करती है।

हारा पाकिस्तान!

हुई फिर पिटाई ।
मार लिया मैदान ।।
बुरी तरह फिर से ।
हारा पाकिस्तान ।।
रणबांकुरों ने पुनः ।
धूल है चटाया ।।
अपने इस अंदाज से ।
है किया सफाया ।।
एकतरफा मैच हुआ ।
हुई बोलती बंद ।।
सारा देश झूम रहा ।
लेकर के आनंद ।।
रहना क्रम ये जारी ।
रोमांच भी भरपूर ।।
है करना है कब्जा ।
दिन नहीं वो दूर ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सनातन धर्म व अखंड भारत के स्टार प्रचारक बन गये हैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अब कुशल नेतृत्व कर्ता, प्रदेश में समाज के हर वर्ग के विकास के संवाहक के साथ ही सनातन धर्म व अखंड भारत के स्टार प्रचारक भी बन चुके हैं। सनातन धर्म और अखंड भारत को लेकर मुख्यमंत्री योगी जी के बयानों की चर्चा अब भारतीय मीडिया में ही नहीं अपितु विदेशों में भी हो रही है। योगी जी की सनातन धर्म पर स्पष्टवादिता से भारत की संपूर्ण सेक्युलर जमात में खलबली मच गई है और उनके उत्तर देने के प्रयास में सनातन विरोधी सिद्ध होती जा रही है। तमिलनाडु के द्रमुक नेता उदय निधि द्वारा सनातन धर्म का उन्मूलन करने वाले शर्मनाक बयान के बाद से ही योगी सक्रिय हैं और अब सनातन धर्म की विशेषताओं की चर्चा करने का कोई भी अवसर नहीं चूकते। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश के हिंदू आस्था के सभी केंद्रों, प्रतीकों का विकास व सम्मान हो रहा है। अयोध्या, मथुरा, काशी के साथ ही अन्य छोटे छोटे धार्मिक महत्व के स्थलों का विकास हो रहा है तथा उनके सुंदरीकरण व विस्तार की योजनाओं पर काम चल रहा है जिसके कारण सनातन समाज में प्रसन्नता की लहर है। उधर, कांग्रेस के नेतृत्व में संपूर्ण विपक्ष जातिगत जनगणना के नाम पर हिंदू समाज को बांटने की रणनीति पर काम कर रहा है इधर योगी की स्पष्टवादिता है कि सनातन धर्म ही एकमात्र मात्र धर्म है। सनातन धर्म के तेजस्वी प्रतिनिधि के रूप में योगी जी की लोकप्रियता तीव्रता के साथ बढ़ रही है। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हैं वहां पर स्टार प्रचारक के रूप में सबसे अधिक डिमांड योगी आदित्यनाथ की ही हो रही है। हर राज्य की जनता चाहती है कि उनके यहां पर भी योगी जी जैसा ही मुख्यमंत्री हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्य समाज के कार्यक्रम में कहा कि आर्यसमाज के संस्थापक दयानंद सरस्वती जी ने घर वापसी का जो अभियान आरम्भ किया था उसे फिर से प्रारंभ किया जाये। आर्य समाज ने वैदिक संस्कृति के प्रसार के लिए जो कार्य किये थे उन्हे भी पुनः प्रारम्भ किया जाये। योगी के बयानों से सपा, बसपा, कांग्रेस सहित सभी सेक्युलर दल बुरी तरह से चिढ़ गये और विकृत मानसिकता से सराबोर होकर बयानबाजी करने लगे। इसी प्रकार गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में योगी ने स्पष्ट रूप से कहा कि सनातन ही एकमात्र धर्म है बाकी सब संप्रदाय और उपासना पद्धतियां हैं। तमिलनाडु के द्रमुक नेता उदयनिधि को करारा जवाब देते हुए योगी ने कहा कि सनातन धर्म मानवता का धर्म है। यदि सनातन धर्म पर आघात होगा तो विश्व की मानवता पर संकट आ जएगा। योगी के एक के बाद एक वक्तव्यों से मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दलों की छटपटाहट स्पष्ट रूप से दिखलाई पड़ रही है, इन दलों को कोई उत्तर नहीं सूझ रहा है अपितु जब प्रदेश का विकास हो रहा है और कानून व्यवस्था भी सुदृढ़ हो रही है उस समय यह लोग प्रदेश का वातावरण दूषित करने के लिए विश्व के सर्वाधिक खूंखार आतंकवादी संगठन हमास के समर्थन में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

अभी तक तो योगी केवल सनातन धर्म पर ही बात कर रहे थे लेकिन अब उन्होंने सिंधी समाज के एक बड़े कार्यक्रम में कहा

कि जब हम 500 वर्षों के बाद श्री रामजन्मभूमि को वापस ले सकते हैं तो फिर सिंध को क्यो नहीं? योगी के इस बयान ने आम भारतीयों को ही नहीं अपितु पाकिस्तान व उसके समर्थक देशों को भी हैरान कर दिया है। आज न सिर्फ भारत में ही अपितु पाकिस्तानी मीडिया व भारत विरोधी एजेंडा चलाने वाले मीडिया में योगी के बयानों पर बहस हो रही है तथा चिंता व्यक्त की जा रही है। सिंध को वापस लेने वाली बात पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आगे कहा कि सिर्फ एक व्यक्ति की जिद की वजह से देश का विभाजन हुआ। लाखों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। भारत का एक बड़ा भू भाग पाकिस्तान के रूप में भी चला गया। सिंधी समाज ने उस दर्द को सबसे अधिक झेला है। उन्हें अपनी मातृभूमि छोड़नी पड़ी है। योगी ने कहा कि सिंधी समाज युवा पीढ़ी को इतिहास के विषय में बताये। उन्होंने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। जनवरी-2024 में रामलला अपने मंदिर में फिर से विराजेंगे। मुख्यमंत्री ने सिन्धी समाज की दुखती रग को समझा और कहा कि आज भी आतंकवाद के रूप में हमें विभाजन की त्रासदी के दंश को झेलना पड़ता है। सभ्य समाज आतंकवाद व अराजकता को बर्दाश्त नहीं कर सकता। धर्मग्रंथ भी हमें यही प्रेरणा देते हैं। पूज्य झूलेलाल जी हों या श्रीकृष्ण सभी ने मानव कल्याण की बात कही है। बंटवारे जैसी त्रासदी फिर कभी न आने पाए इसके लिए हमें राष्ट्र प्रथम का संकल्प लेना चाहिए। योगी इस अवसर पर आतंकवाद के खिलाफ भी मुखर रहे। आतंकवाद पर उनका कहना है कि कोई भी सभ्य समाज आतंकवाद व उग्रवाद या किसी भी प्रकार की अराजकता को कभी मान्यता नहीं दे सकता। सिंघी समाज पर योगी ने कहा कि सिंधी समाज भारत के सनातन धर्म का अभिन्न हिस्सा है। सिंधी समाज ने सम-विषम परिस्थितियों में अपने पुरुषार्थ से खुद को आगे बढ़ाया है। स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहे जिस कार्यक्रम में हों वहां पर सनातन संस्कृति व सभ्यता का ही डंका बजाते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा ऐसे कई विकासपरक कार्यक्रम भी चलाये जा रहे हैं जिनके माध्यम से सनातन संस्कृति के विभिन्न केंद्र बिंदुओं का विकास हो रहा है फिर वह चाहे पर्यटन हो, एक जिला एक उत्पाद योजना हो या फिर नारी सशक्तिकरण हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब जिलों के भ्रमण पर जाते हैं तब स्थानीय महत्व के धार्मिक स्थलों, स्मारकों का भ्रमण और उनके विकास कार्यों की समीक्षा करना नहीं भूलते। योगी अगर अयोध्या जाते हैं और रामलला के दर्शन करते हैं तो वह काशी जाकर विश्वनाथ धाम जाते हैं और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर जाते हैं। शाकम्भरी माता, नैमिषारण्य, पृथ्वीनाथ, विंध्याचल, चित्रकूट कोई भी स्थल योगी जी की सनातन दृष्टि से छूटा नहीं है। यह योगी के कठोर श्रम व उनके अनथक प्रयासों का ही प्रतिफल है कि विन्ध्यांचल के विकास कार्य अंतिम चरण में हैं और बहुत जल्द ही उनका भी लोकार्पण संभव है। अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा तो जनवरी में होगी किंतु अयोध्या के कारण ही सही हिंदू सनातन की विजय गाथा नवम्बर-2023 की दीपावाली से ही दृष्टिगेचर होने जा रही है। अयोध्या में इस बार भव्य दीपोत्सव का आयोजन बहुत ही अनूठा व भव्य होने जा रहा है जिसकी तैयारियां चल रही हैं।

नवरात्रि व्रत का इतिहास, महत्त्व तथा शास्त्र !

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके ।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते ।।

अथः समस्त प्रकार का मंगल प्रदान करने वाली मंगलमयी कल्याण करने वाली, सब के मनोरथ को पूरा करने वाली, तुम्हीं शरण ग्रहण करने योग्य हो, तीन नेत्रों वाली यानी भूत, भविष्य और वर्तमान को प्रत्यक्ष देखने वाली हो, तुम्ही शिव पत्नी, तुम्ही नारायणी अर्थात भगवान के सभी स्वरूपों के साथ तुम्हीं जुडी हो, आप को नमस्कार है।

इस एक श्लोक से श्री दुर्गा देवी के अतुलनीय गुणों की पहचान होती है। आदिशक्ति श्री दुर्गा देवी उन सभी का अवतार हैं जो जीवन को परिपूर्ण बनाती हैं। श्री दुर्गा देवी को जगत जननी कहा जाता है। जगत जननी हम सब की माता होने के नाते बच्चों की पुकार पर दौड़ पड़ती है।

नवरात्रि श्री दुर्गा देवी का त्योहार है जो महिषासुर का वध करने के लिए अवतरित हुई थीं ! घटस्थापना नवरात्रि के प्रथम दिन की जाती है। नौ दिनों तक ब्रह्मांड के रूप में चमकने वाली नंदा दीप के माध्यम से श्री दुर्गा देवी की पूजा करके नवरात्रि उत्सव मनाया जाता है। इस साल नवरात्रि महोत्सव 15 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। नवरात्रि देवी का व्रत है और भारत भर में कई जगहों पर इस व्रत को कुलाचार के रूप में भी मनाया जाता है। इस व्रत में नौ दिनों तक भक्तिभाव से देवी की पूजा की जाती है। आज यह कई राज्यों में एक त्यौहार बन गया है। इस त्योहार में दिव्यता से हिंदुओं को लाभ होता है; हालाँकि, नवरात्रि महोत्सव की विकृत प्रकृति के कारण, दिव्यता का लाभ इससे कोसों दूर है; लेकिन इसकी पवित्रता में भी गिरावट आई है। इस पर्व के अनुचित स्वरूप को रोकना और इसकी पवित्रता बनाये रखना, यही समयानुसार धर्म का आचरण भी है! आइये इस लेख के माध्यम से जानते हैं नवरात्रि व्रत के पीछे का इतिहास, इस व्रत का महत्व और इसे मनाने के पीछे का विज्ञान।

तिथि : आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से नवमी तक।

इतिहास : इस व्रत को करने हेतु ऋषि नारद ने श्रीराम को कहा था, ताकि रावण का वध किया जा सके । इस व्रत के पूरा होने के बाद श्रीराम ने लंका पर आक्रमण किया और अंत में रावण का वध किया। देवी ने प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिनों तक राक्षस महिषासुर से युद्ध किया और अंत में नवमी की रात को उसका वध कर दिया। तब से, उन्हें महिषासुर का संहार करने वाली देवी महिषासुरमर्दिनी के रूप में जाना जाने लगा।

महत्व : जब भी तामसिक, राक्षसी और क्रूर लोग शक्तिशाली हो जाते हैं और सात्विक, धार्मिक मनुष्यों को कष्ट देने लगते हैं, तब देवी धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेती हैं। नवरात्र के दौरान, देवी तत्त्व सामान्य से एक हजार गुना अधिक सक्रिय होता है। इस सिद्धांत के अनुसार सर्वाधिक लाभ पाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को "श्री दुर्गा देव्यै नमः" का जाप अधिक से अधिक करना चाहिए।

व्रत करने की विधि : कई परिवारों में यह व्रत पारिवारिक परंपरा के रूप में मनाया जाता है। यह व्रत आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से शुरू होता है । घर में एक पवित्र स्थान पर, एक वेदी (यज्ञ-गृह) का निर्माण किया जाता है और शेर पर बैठी आठ भुजाओं वाली देवी और नवार्ण यंत्र स्थापित किया जाता है। यंत्र के बगल में एक बर्तन (जिसे घट भी कहा जाता है) स्थापित किया जाता है और घट और देवी दोनों की पूजा की जाती है।

नवरात्र के त्यौहार में परंपरा के अनुसार घटस्थापना और माला-बंधन का अनुष्ठान करना चाहिए। खेत से लाई गई रेत से दो अंगुल ऊंचाई के बराबर वगार्कार आधार तैयार करना चाहिए और उसमें (पांच या) सात प्रकार के अन्न मिला देना चाहिए। ये खाद्यान्न हैं जौ, गेहूं, तिल, मसूर, चना, राल और सावे (विशेष रूप से महाराष्ट्र में पाया जाने वाला खाद्यान्न)। मिट्टी या तांबे के बर्तन में जल, गंध, फूल, दूर्वा, अक्षत , सुपारी, पांच विशिष्ट पत्ते, पांच रत्न या सिक्के जैसे पदार्थ डालने चाहिए।

सात अनाज और कलश (वरुण, वर्षा के देवता का प्रतीक) की स्थापना के लिए वैदिक मंत्रों का उच्चारण करना चाहिए, यदि वह नहीं जानते, तो पुराणों के मंत्रों का पाठ करना चाहिए। यदि कोई इन्हें भी नहीं जानता है, तो उसे कहना चाहिए कि अहम् (चढ़ाए गए

पदार्थ का नाम लेकर) 'समर्पयामि' (अर्पित करता हूं) और देवता के नाम का जप करता हूं। फूलों की माला इस प्रकार बांधनी चाहिए कि वह गमले के अंदर तक पहुंच जाए।

लगातार नौ दिनों तक प्रतिदिन एक कुमारिका (कुंवारी) की पूजा की जाती है और उसे भोजन कराया जाता है। एक विवाहित महिला प्रकट शक्ति का प्रतीक है जबकि कुमारिका अव्यक्त शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। चूंकि एक विवाहित महिला में कुछ मात्रा में प्रकट शक्ति का उपयोग हो जाता है, इसलिए कुमारिका में कुल शक्ति एक विवाहित महिला की तुलना में अधिक होती है।

नवरात्र का त्यौहार अपनी वित्तीय क्षमता के अनुसार मनाया जाता है, जिसमें अखंड दीप-प्रज्वलन (लगातार दीपक जलाना), चंडीपाठ (देवी के छंदों का पाठ), ललिता-पूजा (देवी की अनुष्ठानिक पूजा) सहित विभिन्न कार्यक्रम सम्मिलित हैं। व्यक्ति को व्रत, अनुष्ठान के समय जागते रहना चाहिए । भले ही कोई भक्त उपवास कर रहा हो, उसे हमेशा की तरह देवी को नैवेद्य अर्पित९ करना चाहिए।

इस अवधि के दौरान अच्छे आचरण के तहत दाढ़ी नहीं बनानी चाहिए, कठोर ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए, बिस्तर या गद्दे पर नहीं सोना चाहिए, गांव की सीमा पार नहीं करनी चाहिए और जूते नहीं पहनने चाहिए।

देवी की मूर्ति के विसर्जन के दौरान, अंकुरित बीज उन्हें अर्पित किए जाते हैं। महिलाएं उन छोटे पौधों को देवी शाकंभरी के रूप में अपने सिर पर रखकर विसर्जन के लिए ले जाती हैं।

अंत में स्थापित घट और देवी को बहते जल में विसर्जित कर देना चाहिए।

किसी भी धार्मिक अनुष्ठान जैसे कि नवरात्र में, जब पूजा के रूप में लगातार दीपक जलाया जाता है, यदि वह हवा के कारण, तेल की कमी या अन्य कारणों से बुझ जाता है, तो उन कारणों को ठीक किया जाना चाहिए और दीपक को जलाना चाहिए। दीपक फिर से जलाए जाने के प्रायश्चित स्वरूप इष्टदेव के नाम का जप एक सौ आठ या एक हजार बार करना चाहिए।

प्रार्थनाः 'देवी, हम शक्तिहीन हो गए हैं, सुख और कामुक सुखों से माया (महान भ्रम) से जुड़ गए हैं। हे माँ, हमारी शक्ति का स्रोत बनो। आपकी शक्ति से हम दुष्ट प्रवृत्तियों का नाश कर सकेंगे।'

घड़े में फूंक मारनाः अष्टमी के दिन महिलाएं देवी महालक्ष्मी की पूजा करती हैं और घड़े में फूंक मारती हैं।

क्षेत्रीय विविधताएं : गुजरात में नवरात्र के दौरान मातृशक्ति के प्रतीक के रूप में दीप-गर्भ (कई छिद्रों वाले मिट्टी के बर्तन में रखा हुआ जलता हुआ दीपक) की पूजा की जाती है। महिला प्रजनन क्षमता को दर्शाने के लिए नौ दिनों के दौरान पूजा की जाने वाली 'दीप-गर्भ' के कारण गहरे शब्द को हटाकर गरबा - गरभो - गरबो या गरबा शब्द प्रचलित हो गया।

अर्थ : असुर शब्द की उत्पत्ति इस अर्थ से हुई है कि जो केवल जीवन का आनंद लेने और विषयों के भोग में ही लीन रहता है वह असुर (राक्षस) है। ऐसा महिषासुर प्रत्येक मानव हृदय में विद्यमान है। और उसने मनुष्य के आंतरिक दैवी गुणों पर कब्जा कर लिया है। इस महिषासुर के मायावी स्वरूप को समझकर उसके जाल से मुक्त होने के लिए शक्ति की पूजा करना आवश्यक है। इसलिए नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना करनी चाहिए । इस विजय का समारोह दशमी के दिन मनाया जाता है और इसे दशहरा कहा जाता है।

नवरात्रि के दौरान अनाचार पर अंकुश लगाएं और त्योहार की पवित्रता बनाए रखें !

प्राचीन काल में, गर्भा नृत्य के दौरान, देवी (देवी) के गीत, कृष्ण-लीला और संतों की रचनाएँ ही गाई जाती थीं। आज ईश्वर की इस सामूहिक नृत्य आराधना ने विकृत रूप धारण कर लिया है। गरबा में अश्लील शारीरिक हरकतों और फिल्मी गानों की धुन पर नृत्य किया जाता है। देवी के पूजा स्थल पर तंबाकू खाना, शराब पीने और ध्वनि प्रदूषण के भी उदाहरण देखने को मिलते हैं। ये अनाचार हमारे धर्म और संस्कृति के लिए हानिकारक हैं । आज, इन्हें समाप्त करना धर्म का पालन करने का एक हिस्सा है । सनातन पिछले कुछ वर्षों से ऐसी कुप्रथाओं के विरुद्ध जनजागरण अभियान चला रहा है; आप भी इन अभियानों में भाग ले सकते हैं!

संदर्भ : सनातन का ग्रंथ – धार्मिक उत्सव एवं व्रतों का अध्यात्मशास्त्रीय आधार

आओ शिक्षकों की व्यथा को समझकर उनका निराकरण कर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करें

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में नए-नए आयामों को चंद्रहान-3 और आदित्य 9-एल1 के रूप में स्थापित किए हैं जिसमें भारत की प्रतिष्ठा में चार-चांद लग गए हैं परंतु इन उपलब्धियों को हम अगर गहराई से देखें तो इन आयामों तक पहुंचने वाली शक्ति, यानें इसका श्रेय सीधे-सीधे ज्ञान कला कौशलता और शिक्षा को ही है, क्योंकि बड़े बुजुर्गों का कहना है कि कोई भी मां के पेट से सीख कर नहीं आता दुनियां में आने के बाद मनुष्य प्राथमिक ज्ञान माता-पिता गुरु और शिक्षकों से ही सीखता है फिर आगे बढ़ते हुए वह विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा ग्रहण करता है और कुछलता कला के आधार पर वैज्ञानिक डॉक्टर वकील इंजीनियर का इत्यादि बहुत क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर देश सेवा करता है। इसलिए इसका मूल आधार शिक्षा है जो हमें हमारे शिक्षकों अध्यापकों से मिलती है जो मानवीय व्यक्तित्व के निमार्ता हैं। कुछ दशक पूर्व की शैक्षणिक गुणवत्ता की तुलना अभी से की जाए तो मेरा मानना है कि हमें अभी की गुणवत्ता में कमी महसूस होगी। हालांकि प्रौद्योगिकी विकास उपकरणों में हम आगे जरुर बड़े हैं, परंतु उनके पंगु बनने की ओर माहौल बढ़ रहा है। आज भी बड़े बुजुर्गों द्वारा आंकड़े का हिसाब जिस तेजी जुबानी लगाते हैं, इतनी तेजी से आधुनिक प्रोद्योगिकी से युक्त युवा नहीं लगा सकते।दूसरी और शिक्षक का मनोबल कम करने के लिए कुछ हटकर कार्य उनसे करवाए जाते हैं।शासकीय अशासकीय मैनेजमेंट द्वारा शिक्षण के अलावा अन्य कार्य बाध्यकारी रूप से उनसे करवाए जाते हैं जैसे जनगणना, चुनाव अपडेट, शासकीय योजनाओं के तहत अनेक छोटे-मोटे कार्यों का बोझ उन पर होता है जिसे हटाना समय की मांग है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शिक्षक मानवीय व्यक्तित्व निमार्ता है, इसलिए अपनी शिक्षक क्षमता में विकास और छात्रों में मनोविज्ञान का ज्ञान सृजित करना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम शिक्षक के श्रेष्ठ गुणों की करें तो, हमारे देश में प्राचीन अवधारणा रही है कि शिक्षक के गुण जन्मजात होते हैं, परन्तु आज जनसंख्या वृद्धि एवं शिक्षा प्रसार के साथ-साथ शिक्षकों की बढ़ती मांग को जन्मजात शिक्षकों द्वारा पूरा किया जाना सम्भव नहीं है। इसलिए प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक तैयार करने की आवश्यकता होती है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा भावी शिक्षकों में ज्ञान, कौशल और व्यवहारमें परिमार्जन कर शिक्षोपयोगी गुणों को विकसित किया जाता है। कार्य क्षमता एवं कुशलता में वृद्धि की भावना बढ़ जाती है। यह सर्वविदित है कि शिक्षा सामाजिक पुनर्निर्माण का प्रभावी साधन है, जो काफी सीमा तक समाज की समस्याओं का समाधान करती है, परन्तु शायद आज यह अपने उद्देश्य में सफल नहीं है। आज भारतीय समाज में अनेक आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक नैतिक समस्याएं व्याप्त है। भारत में विकास की अपेक्षाकृत धीमी गति है, जातिवाद क्षेत्रीयता साम्प्रदायिकता, हिंसा आतंकवाद, उपचार व्याप्त है, समाज में मूल्यों का निरन्तर विघटन हो रहा है। समाज की नैतिक अवनीति के प्रति शिक्षक की जाबावदेही अपर्याप्त है। अध्यापक में अधि लगा है। जिसका अर्थ है कि निश्चित लक्ष्य तक ले जाने वाला। अध्यापन के लिए सम्यक ज्ञान एवं तथा उसके स्वरूप को निश्चित करने की जिम्मेदारी शिक्षक पर होती है। कोठारी आयोग का मानना है कि भारत के भविष्य का निर्माण उसकी कक्षाओं में हो रहा है। इन कक्षाओं का पूर्ण निर्देशन शिक्षक के हाथ में होता है। ऐसे छात्र का निर्माण करता है, जिसमें स्वतंत्र निर्णय, तर्क एवं चिन्तन की क्षमता हो और नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से श्रेष्ठ हो। इनके अलावा उसमें अपने राष्ट्र की संस्कृति में योगदान देने के साथ-साथ उसकी रक्षा कर सकने की क्षमता भी हो।

स्वामी सहजानंद पीजी कालेज में ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 27अक्तूबर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्वामी सहजानन्द पीजी कालेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. वी के राय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर से सम्बद्ध जनपद के महाविद्यालयों के स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तीथि 27 अक्तूबर, 2023 नियत की गई है। प्रो0 राय ने सूचित किया है कि संबंधित कक्षाओं के छात्र छात्राएं अपने परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन सबमिट कर उसकी एक हार्ड-कॉपी महाविद्यालय कार्यालय में 27 अक्तूबर तक अवश्य जमा कर दें। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि जिन अभ्यर्थियों ने अबतक स्नातक तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश नहीं लिया है, वे विलंबतम 20 अक्टूबर तक प्रवेश ले लें तथा निर्धारित तिथि तक अपने परीक्षा फॉर्म जमा कर दें।

प्रशासन के गाइडलाइन का करना होगा सख्ती से पालन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्थानीय थाना परिसर पर शनिवार को ग्रामीण क्षेत्र के डीजे संचालक व पुजा समिति के सदस्यों का एक सभा बुलाई गई। उसमें थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्रा ने बताया कि प्रशासन द्वारा दिए गए गाइडलाइन का सख्ती के साथ पालन करना होगा। प्रशासन के अनुसार पुजा पंडाल में लगे डीजे साउण्ड को कम बाइब्रेशन में बजाने की सलाह दी गई। ताकि लोगों को किसी प्रकार का असुविधा न हो। इसके साथ ही विसर्जन करेंगे। सभी को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करते हुए सौहार्द और प्रेम के साथ मुर्ती विसर्जन के लिए दिशा निर्देश दिया गया। प्रशासन द्वारा दिए गए गाइडलाइन का पालन करते हुए प्रेम और सौहार्द पूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा मनाने का दिशा निर्देश दिए गए। सभा में उपस्थित उप निरीक्षक बृजमोहन,उप निरीक्षक रामशरण कुशवाहा,वीरू गुप्ता,मन्नू तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

महिला कोतवाल तारावती यादव ने बताया महिलाओं को सुरक्षा के उपाय

प्रखर जखनिया गाजीपुर। मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण की शुरूआत कर भुड़कुड़ा कोतवाली के प्रभारी तारावती यादव ने महिला आरक्षियों के संग क्षेत्र के गौरा खास, पडरी, महार बुजुर्ग में महिलाओं को संगठित होकर स्वयं की सुरक्षा करने के उपाय को बताया ।तथा शासन द्वारा 1090 ,1076 ,112 टोल फ्री नंबर की विशेषताओं को गिनाया और महिला बीट आरक्षियों द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर गांव की महिलाओं को जागरूक किया। बताया कि इस ग्रुप में संबंधित गांव की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता , एएनएम ,आशा ,वीसी सखी को भी जोड़ा गया है। ताकि महिलाओं की किसी भी प्रकार की समस्या को दूर किया जा सके, तथा व्हाट्सएप के माध्यम से जानकारी होने उनकी मदद व सलाह समय-समय पर दी जाये । शासन द्वारा साइबर क्राइम संबंधी नियमावलियों का पंपलेट भी महिलाओं को दिया गया । बताया कि अब महिलाओं को गांव में किसी प्रकार की होनी व अनहोनी होने पर शासन को भी सूचनाएं आसानी से दी जा सकती है। जिसके लिए निर्भीक होकर अब महिलाओं को समाज में बाहर आना होगा। मौके पर महिला आरक्षी सौम्या मिश्रा, प्रियंका ,शालू सिंह, माधुरी वर्मा, रंजना सिंह,व रवि राय सहित पुलिस कर्मी रहे।

शारदीय नवरात्रि के पहले ही दिन बुढ़िया माई के दरबार में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रखर जखनिया गाजीपुर। क्षेत्र के सिद्ध पीठ हथियाराम मठ में शतचंडी पाठ सिद्धिदात्री मां, वृद्धिका मां का मंदिर मे शारदीय नवरात्रि के पहले दिन ही मां के दरबार मे दर्शन पूथन करने वालों की लंबी भीड़ रही। सिद्ध पीठ में शारदीय नवरात्र में होने वाले परंपरागत शतचंडी पाठ अनुष्ठान काशी के वैदिक विद्वान आचार्य पंडित सुरेश चंद्र पांडे व उपाचार्य पंडित संजय पांडे व वैदिक विद्वानों के साथ पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर महंथ श्री भवानी नंदन यति महाराज के संरक्षण में विधि विधान से अनुष्ठान किया जा रहा है। परिसर के बाहर नारियल, चुनरी, प्रसाद के साथ ही खिलौने की दुकान सजी हैं। मठ परिसर के अंदर फूल माला व झालर से सजाया गया है। मन्नत पूरा होने पर दूर-दराज से आने वाले भक्तों का क्रम पूरे दिन चलता। मां के दरबार में आकर दर्शन पूजन कर लोग अपने को धन्य होते रहे। जिनकी मन्नत पूरी हो गई वे लोग मां की स्तुति के धुन पर बैंड बाजे के साथ मां का दर्शन पूजन करने पहुंचे। मंदिर के अंदर ब्रती लोगों को फलाहार की व्यवस्था मठ के स्वयंसेवकों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है।

महाराज श्री अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाई गई जयन्ती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 1008 महाराज श्री अग्रसेन की जयन्ती के अवसर पर 15 अक्टूबर रविवार की प्रातः श्री अग्रसेन सेवा संस्थान के तत्वावधान में श्री काशी अग्रवाल समाज, श्री अग्रसेन सेवा संस्थान, श्री अग्रसेन वेलफयर सोसायटी, श्री अग्रसेन युवा

समाज, काशी, श्री अग्रसेन युवा सम्मेलन, श्री अग्रसेन समाज कबीर नगर, श्री अग्रसेन परिवार, महमूरगंज के अग्रबन्धुओं द्वारा श्री अग्रसेन वाटिका,मैदागिन आयोजित कार्यक्रम में श्री अग्रसेन वाटिका, मैदागिन स्थित महाराज श्री अग्रसेन जी की प्रतिमा पर अग्र बंधुओं द्वारा माल्यापर्ण एवं आरती करते हुए उन्हे नमन किया गया जिसके बाद जनमानस में प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर श्री अग्रसेन सेवा संस्थान के अध्यक्ष सन्तोष अग्रवाल आढ़त वाले ने कहा कि मात्र जयन्ती मनाने से ही हमारा उत्तरदायित्व पूरा नहीं होता, बल्कि हमें अग्रकुल जनक श्री अग्रसेन महाराज के सिद्धान्तों को अपने जीवन में उतारना चाहिए और अपने निज स्वार्थ से हटकर हमें समाज के हित में कुछ रचनात्मक कार्य करने चाहिए हमारे समाज और परिवार में एकता आवश्यक है तभी समाज का विकास सम्भव है उन्होंने ने कहा कि श्री अग्रसेन महाराज का सुप्रसिद्ध सिद्धान्त एक रूपया-एक ईट एक सहायता प्रणाली नहीं वरन् उस व्यक्ति को समाज को जोड़कर समाज में हर व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम का संचालन राजकिशोर अग्रवाल एवं संयोजन रिषिदेव अग्रवाल, कृष्ण शरण अग्रवाल ने किया` इस अवसर पर श्री अग्रसेन सेवा संस्थान के प्रधानमंत्री संजय अग्रवाल गिरिराज, श्री काशी अग्रवाल समाज के प्रधानमंत्री संतोष अग्रवाल कर्णघंटा, पंकज अग्रवाल सपब दिनेश जी डोरी वाले, सचिन अग्रवाल आढ़त वाले, विवेक अग्रवाल, गरिमा टकसाली, वीणा अग्रवाल, शालू अग्रवाल, हरीश जी अग्रवाल, आलोक शाह, हेमन्त अग्रवाल, दीपक अग्रवाल लायंस श्री श्री मोहन जी अग्रवाल, प्यारे कृष्ण अग्रवाल (सीए) आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नवरात्र के प्रथम दिवस भक्तों की रही भीड़

प्रखर पिंडरा वाराणसी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित प्रसिद्ध दुर्गा मंदिरों में शारदीय नवरात्र पर भक्तो की भीड़ रही। सुबह से मंदिरों पर भीड़ रही। जिसके लिए पुलिस बल की तैनाती रही। क्षेत्र में शक्तिधाम माँ नात्केश्वरी मन्दिर, रमईपुर स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर, चरए स्थित कर्णेश्वरी मंदिर, बसाव स्थित माँ भगवती माता मंदिर, थाना गांव स्थित कुटुंभी माई मन्दिर के अलावा क्षेत्र के डीह बाबा मंदिर पर भीड़ रही। वही शारदीय नवरात्र पर देवी भक्तो ने घरों में कलश की स्थापना की। प्रथम दिवस पर मंदिरों पर भक्तों की भीड़ रही। वही कई जगह पूजा पंडाल में माँ दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई।

केंद्रीय कैबिनेट मंत्री/सांसद चंदौली के जन्मदिन पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

प्रखर चिरईगांव वाराणसी। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री डा महेंद्र नाथ पांडेय के 66 वे जन्मदिन के अवसर पर ग्राम सभा नरायनपुर के ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओ ने युवा समाजसेवी अवनीश पाठक के नेतृत्व में श्री डीह बाबा मंदिर पर स्वच्छता का कार्यक्रम कर और मिठाई बाटकर जन्मदिन मनाया। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर लोकप्रिय सांसद भारी उद्योग मंत्री डा महेंद्र नाथ पांडेय जी ने ग्रामवासियों से वीडियो कॉलिंग संवाद भी किया और धन्यवाद प्रेषित करने के साथ ही ग्रामीणों के आग्रह पर मंदिर परिसर पर हाईं मास लाइट देने व ग्राम सभा के सभी आवश्यक कार्य को अतिसिघ्र करवाने का आश्वासन भी दिया। उक्त अवसर पर अवनीश पाठक, धनंजय चौहान, उत्तम चौहान, आशीष पाठक, विनोद चौहान, महेंद्र सिंह, जितेंद्र पाठक, ओमप्रकाश मास्टर, पवन, अम्बुज, विक्की, दीपक, चुन्नु चौहान समेत ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री का भाजपाइयों और ग्रामीणों ने मनाया जन्मदिन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडे का महगाव में भाजपा नेता रतन सिंह के आवास पर केक काटकर ग्रामवासियों के साथ जन्मदिन मनाया गया। उनके उत्तम स्वास्थ व दीघार्यु होने की बाबा विश्वनाथ से कामना की। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष आशुतोष सिंह,अंकित सिंह, विवेक सिंह, अनिल सिंह मुन्ना, राजू पटेल, सनोज पटेल, राजा मिश्रा, विनय सिंह, अजीत सिंह, कल्लन सिंह समेत अनेक भाजपाई व ग्रामीण उपस्थित रहे।

राजकीय बालिका इंटर कालेज की छात्राओं ने निकाली प्रभात फेरी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चोलापुर क्षेत्र के राजकीय बालिका इंटर कालेज की छात्राओं ने मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज- 4 योजना के तहत प्रभात-फेरी निकाली ` प्रभात-फेरी चोलापुर बाजार से होते हुए चोलापुर थाने तक गई इस दौरान चोलापुर थाने की एसआई शालिनी श्रीवास्तव द्वारा छात्राओं को मिशन शक्ति योजना के बारे में विस्तार पूर्वक से जानकारी देते हुए समझाया गया` इस अवसर पर कालेज की प्रधानाचार्य अंजू सिंह, डॉ. अनिता गिरी, डॉ. विशालाक्षी देवी, चंद्रिका, आरती कुमारी, सरिता कुशवाहा, अंजू, रंजना, अनुरमा शास्त्री, प्रशस्ति मिश्रा, अनामिका व वंदना प्रभात फेरी में मौजूद रही।

ठेले से टकराया बाइक सवार गंभीर रूप से घायल प्राथमिक उपचार के बाद रेफर

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के डीह गांव के समीप वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर गैस एजेंसी के सामने बाइक सवार दो युवक ठेले से टकराये गंभीर रूप से हुवे घायल।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। अरविंद पुत्र टेंगरी उम्र 36 वर्ष निवास बंगला देवरिया थाना चुनार अहरौरा नगर के पोखरा सहुवाइन के समीप प्रत्येक शनिवार को मिना बाजार में युवक दुकान लगाने का कार्य करता है। शाम को दुकान का कार्य खत्म करने के बाद युवक अपने घर बंगला देवरिया थाना चुनार जा रहा था गैस एजेंसी के पास ठेले पर मिट्टी का बर्तन लादकर जा रहे ठेले वाले ने अचानक ठेला मोड़ दिया जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया युवक का एक पैर बुरी तरीके से फैक्कर हो गया था। पुलिस ने नागरिकों की मदद से इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।

ब्रेक फेल होने के बाद गिट्टी लदी ट्रक का टायर हुआ ब्लास्ट खाई में गिरने से बची

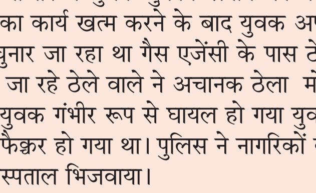

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के छातो ग्राम सभा अंतर्गत हनुमान घाटी पहाड़ी पर सोनभद्र के डाला से गिट्टी लोड कर आजमगढ़ के लिए जा रहे 14 चक्का ट्रक का अचानक से ब्रेक फेल हो गया । ट्रक ड्राइवर धर्मचंद जब तक कुछ समझ पाते हनुमान घाटी मोड पर ही ट्रक के बाएं साइड की दोनों टायरन ब्लास्ट कर गई जिससे अनियंत्रित होकर ट्रक घाटी मोड पर ही पलट गया। यह तो संयोग अच्छा रहा की ट्रक गहरे 50 फीट खाई में गिरने से ट्रक बच गया । घटना भयावह हो सकती थी, ट्रक के केबिन में फंसे ड्राइवर धर्मचंद यादव खलासी अभिषेक उम्र 20 वर्ष एवं ट्रांसपोर्टर सुभाष दास सभी निवासी थाना निजामाबाद जनपद आजमगढ़ ने किसी तरह बाहर निकाल कर अपनी जान बचाई एवं वहीं से पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने खलासी एवं घायल ट्रांसपोर्टर जिसका बाया हाथ फैक्कर हो गया था प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए एवं उपचार कराया।

मंडलीय कार्यालय द्वारा स्कॉलरशिप क्विज प्रतियोगिता हुई आयोजित

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां। गोरखपुर मंडलीय कार्यालय द्वारा 15 अक्टूबर दिन रविवार को दीनदयाल स्पर्श योजना के तहत स्कॉलरशिप क्विज प्रतियोगिता मंडलीय कार्यालय गोरखपुर में करवाई गई। जिसमें कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें मुख्य रूप से सरस्वती शिशु मंदिर, सेंट जेवियर्स एवं महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के विद्यार्थी सम्मिलित थे। आयोजन कर्ता के रूप में सहायक निदेशक संजय त्रिपाठी, डिप्टी एस पी पूजा प्रीतम, ओयस जय चंद मौर्य, जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार त्रिपाठी, रोहित, अजय वर्मा एवं फिलेटलिस रमन मंडल आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पूर्व चेयरमैन के घर में उनके नौकर द्वारा चोरी का प्रयास

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं खनन व्यवसाई गुलाबदास मौर्य निवासी पट्टीकला अहरौरा के घर में घुसकर चोरी का प्रयास करने वाले उनके पूर्व नौकर को परिजनों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया और पुलिस ने जेल भेज दिया। चौकी प्रभारी मनोज राय ने बताया की गुलाब मौर्य ने लिखित तहरीर दिया की मेरे घर में घुसकर एक व्यक्ति चोरी का प्रयास कर रहा था की मैने उसे पकड़ लिया। तहरीर के आधार पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस ने आरोपी सुमित कुमार केशरी पुत्र राजकुमार केशरी निवासी पट्टीकला अहरौरा को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। बताया जाता है की सुमित गुलाब मौर्य के यहां पूर्व में काम करता था।

मंदिर परिसर में गंदगी को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां। पिपरौली ब्लॉक क्षेत्र नगवा गांव में स्थित प्राचीन काली मंदिर परिसर में महीनों से नालियों का गंदा पानी समेत कीचड़ का अंबार लगा है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत कई बार जिम्मेदारों के साथझसाथ गांव में तैनात सफाईकर्मियों से की लेकिन समस्या का निदान नहीं हो सका। थक हारकर रविवार को ग्रामीणों ने मंदिर परिसर में लगे गंदगी को लेकर प्रदर्शन कर जिम्मेदारों के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भोलू चौहान ने बताया कि सफाई न होने के कारण महीनों से गांव की अधिकांश नालिया जाम हो गई है। जिसकी शिकायत ग्राम प्रधान, सचिव तथा तैनात सफाई कर्मियों से कई बार किया गया लेकिन सफाई कराना तो दूर की बात है, जिम्मेदार समस्या ही सुनना नही चाहते हैं। उन्होंने कहा गांव में प्राचीन काली मंदिर पर हमेशा पूजाझपाठ होता रहता है। नवरात्रि के

समय भारी संख्या में श्रद्धालु का जमावड़ा रहता है। इसी क्रम में रविवार को नवरात्रि के पहले दिन सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ जमा होने लगी। ग्रामीणों ने जिम्मेदारों को कोसते हुए कहा कि नवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में गंदगी कही न कही घोर लापरवाही दशार्ता हैं। लोगों ने ब्लॉक अधिकारी से मंदिर परिसर में तत्काल सफाई करवाने की मांग की हैं। जिससे समस्या का समाधान हो सके। प्रदर्शन के दौरान किसमती देवी, सुनीता देवी, चंदा, रंभा, लक्ष्मीना, रतन श्रीवास्तव, ठाकुर प्रसाद, संजय चौहान, बबलू, सोहन, सहदेई देवी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहें। इस संदर्भ में खंड विकास अधिकारी पिपरौली बृजेश यादव ने कहा मंदिर परिसर में गंदगी की जानकारी नहीं थी। अभी तत्काल सफाईकर्मियों की टीम लगाकर पूरे मंदिर परिसर की सफाई कराई जाएगी।

महिला किसान दिवस का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वांचल संतकबीरनगर। 15 अक्टूबर 2023 आज कृषि भवन सभागार में महिला किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अपर जिला उद्यान अधिकारी समुद्रगुप्त मल्ल द्वारा अचार, मुरब्बा, जैम, जेली एवं अन्य उत्पाद खाद्य प्रसंस्करण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 शिवकुमार वर्मा ने पशुओं के रखरखाव एवं पशुओं में टीकाकरण की जानकारी दी। क्षेत्रीय विपणन अधिकारी उबैदुल्लाह ने सरकारी क्रय केन्द्र पर धान खरीद के बारे में जानकारी दी। कृषक उत्पादक संगठन से हरकेश चौधरी द्वारा ऑर्गेनिक खेती के बारे में एवं एफपीओ के सदस्य रवित्री देवी ने गोबर से खाद तैयार करने के बारे में जानकारी साझा की साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित तारा देवी, शांति देवी, दुर्गावती, सरिता देवी, पुष्प लता देवी द्वारा अपनी अपनी जानकारियां एवं जैविक खाद व अन्य उत्पाद के बारे में जानकारी दी। जिला कृषि अधिकारी पी सी विश्वकर्मा व जिला कृषि रक्षा अधिकारी शशांक चौधरी के द्वारा विभाग में संचालित हो रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई । इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी एवं कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा रवित्री देवी एवं शांति देवी को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

पुण्यतिथि पर लगा रक्तदान शिविर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। स्व0 रमाकांत दूबे की पुण्यतिथि पर रविवार को फूलपुर स्थित अनमोल पाली क्लिनिक परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ भाजपा विधायक के अस्वस्थ्य होने पर विधायक प्रतिनिधि व जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह ने किया। उन्होंने रक्तदान को महादान की संज्ञा देते हुए कहाकि किसी को जीवन देने वाला दान रक्तदान है। इसमें सभी को चढ़बढ़ कर भाग लेना चाहिए। इस दौरान 18 यूनिट रक्त लोगों ने दिए। इसके पूर्व सभी ने स्व0 रमाकांत दूबे के चित्र पर माल्यर्पण कर नमन किया। इस दौरान डॉ रंगनाथ दुबे, डॉ संगीता दूबे, डॉ जेपी दुबे, हौसिला पांडेय, शिवा सिंह, धीरज पांडेय, भानुकान्त पांडेय समेत अनेक लोग रहे।

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन पालिकाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने किया मेला क्षेत्र का निरीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने रविवार की सुबह शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन विन्ध्याचल पहुँचकर मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। जहा उन्होंने पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पालिका प्रशासन द्वारा किये गए कार्यों का जायजा लिया। चिकान टोला, बलुआ घाट, पक्का घाट, नयी वीआईपी, पुरानी वीआइपी, मन्दिर परिषर सहित कई स्थानों का पैदल ही स्थलीय निरीक्षण

किया। रेहड़ा कार्यालय पर उन्होंने सफाई कर्मचारियों को ड्रेस का भी वितरण किया। सफाई कर्मचारियों को दिये गये ड्रेस पहन कर ही कार्य करने का निर्देश भी दिया गया। अधिकारियों को घाटो पर विशेष साफ-सफाई रखने, पेयजल, चेंजिंग रूम, शौचालय आदि को चाक चौबंद रखने का निर्देश दिया।मेला क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को भी दुरुस्त करने रखने के साथ मेला क्षेत्र में फ ॉ गि ं ग, सैनिटाइजेसन और एंटी लार्वा छिड़काव करने का भी निर्देश दिया है। इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा कहा कि दूर-दराज से लोग माता के दर्शन करने विंध्याचल आते है। इ स ी ल ि ए अधिकारियों को व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही सफाई कर्मचारियों को ड्रेस वितरण किया गया है। घाटों पर बुनियादी सुविधाएं मजबूत करने के साथ ही मेला क्षेत्र में अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है।

कोरोना काल में मृत-आत्माओं की सद्गति को हुआ त्रिपिण्डी श्राद्ध व तर्पण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी के केदार क्षेत्र के शङ्कराचार्य घाट पर कोरोना काल में काल-कवलित हुए असंख्य जीवात्माओं की सद्गति के लिए आचार्य पं.अवधराम पाण्डेय के आचार्यत्व में त्रिपिण्डी श्राद्ध व तर्पण का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस समाचार को सोशल मीडिया व अखबारों में पढ़कर हरियाणा के सुरेश मानचन्दा काशी आए और परमाराध्य परमधमार्धीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर शङ्कराचार्य जी महाराज से उन्होंने अनुरोध किया कि 1947 में भारत पाकिस्तान विभाजन के समय जो लगभग 20 लाख लोग मारे गये थे उनका भी अन्तिम संस्कार उस समय नहीं हो पाया था इसलिए उन सबकी सद्गति के लिए भी आज श्राद्ध तर्पण कर दिया जाए` शङ्कराचार्य जी महाराज ने इस बात को सहर्ष स्वीकार किया और शङ्कराचार्य घाट पर ही यह विधि भी आज सम्पन्न हुई`

श्रीमद्भागवत मुक्ति कथा ग्रन्थ का विमोचन – आप सबको जानकारी है ही कि परमाराध्य शङ्कराचार्य जी महाराज ने अपने यू ट्यूब चैनल 1008.guru पर मृतात्माओं की सद्गति के लिए श्रीमद्भागवत मुक्ति कथा सुनाई ` जगद्गुरु शङ्कराचार्य जी महाराज की पूर्णाभिषिक्त शिष्या साध्वी पूर्णाम्बा व साध्वी शारदाम्बा ने गंगारविन्द मिश्र ,डा.लता पाण्डेय व डा. मंजरी पाण्डेय आदि अनेक सहयोगियों के साथ मिलकर महाराज की कथा को प्रतिदिन लिपिबद्ध किया और पुस्तक के रूप में शङ्कराचार्य जी को समर्पित किया।

शङ्कराचार्य जी महाराज ने इस मुक्ति कथा ग्रन्थ का आज विमोचन किया शङ्कराचार्य जी महाराज ने आश्चर्यचकित होते हुए कहा कि यह अपने आपमें एक विशिष्ट कीर्तिमान है कि कथा विश्राम के चन्द घण्टों के उपरान्त ही पुस्तक तैयार हो

गयी और आठवें दिन पुस्तक का विमोचन भी हो गया उन्होंने पुस्तक तैयार करने वाले सभी सहयोगियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

शारदीय नवरात्र पर होंगे विविध धार्मिक अनुष्ठान – परमाराध्य शङ्कराचार्य ने कहा कि शारदीय नवरात्रि पर श्रीविद्यामठ में शतचण्डी महायज्ञ और रूद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा ` 4000 मोदकों से गणपति-पूजन, शतचण्डी- महायज्ञ, महारुद्र यज्ञ,64- योगिनियों के रूप में 64 कन्याओं का पूजन, भैरव- पूजन,108 सुवासिनी पूजन,11 रूद्र-दम्पत्ति पूजन कुम्भकोणम् से पधारे श्री प्रवीण के आचार्यत्व में सम्पन्न होगा इसके उपरान्त सवा लाख मोदकों से हवन किया जायेगा यह अनुष्ठान 15 दिनों का होगा जिसके अन्तर्गत यह सभी आयोजन श्रीविद्यामठ में सम्पन्न किये जायेंगे

शङ्कराचार्य जी जबलपुर में मनाएंगे शारदीय नवरात्रि उत्सव – शङ्कराचार्य जी महाराज अपराह्न 2 बजे जबलपुर के बगलामुखी सिद्धपीठ के लिए प्रस्थान कर गये वहा वे आगामी नौ दिनों तक पराम्बा भगवती की आराधना सम्पन्न करेंगे मुक्ति कथा का आयोजन गौरव तिवारी, विभा शर्मा ने किया।

लोकार्पण और अन्य कार्यक्रम में प्रमुख रूप से साध्वी पूर्णाम्बा दीदी , साध्वी शारदम्बा दीदी, मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय, डॉ गिरीश चन्द्र तिवारी, श्री भगवान वेदांताचार्य, परमेश्वर दत्त शुक्ल,कमलाकांत त्रिपाठी, राजेन्द्र तिवारी,शैलेन्द्र सिंह योगी,यतीन्द्र चतुवेर्दी,रमेश उपाध्याय,पं सदानंद तिवारी, आनंद उपाध्याय, लता पाण्डेय, मञ्जरी पाण्डेय, माधुरी पाण्डेय, सुनीता श्रीवास्तव, किशन जायसवाल, पीयूष तिवारी, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, रविन्द्र मिश्रा आदि लोग सम्मलित थे।

टीवी

नवरात्र स्पेशल

गरबा के लिए तैयार

नवरात्रि, देवी दुर्गा की विजय की स्मृति में बड़े ही उत्साह से मनाई जाती है। नवरात्रि के रीति-रिवाज और परंपराएं अलग-अलग होती हैं लेकिन उपवास रखना और गरबा नृत्य करना सभी में समान होता है। कलाकार नवरात्र मनाने के लिये बड़े उल्लास से अपनी योजनाएं बता रहे हैं।

हिमानी शिवपुरी - 'नवरात्रि के दौरान उत्तर और पश्चिम भारत में लोग उपवास रखते हैं। मेरी माँ और दादी नौ दिनों के लिये उपवास रखती थीं, यह शरीर और दिमाग को शुद्ध करने के लिये होता है। हम नौ दिनों तक नमक, मसूर की दाल, प्याज और लहसुन खाने से बचते थे। माँ के द्वारा पकाई जाने वाली हर चीज सात्विक होती थी। जब शरीर शुद्ध हो जाता है, तब दिमाग ज्यादा शांत रहता है।'

आशी सिंह - 'मै गरबा खेलने जाती थी लेकिन मै अब भी उसी स्थिति में हूं। मेरी मां पूरे नौ दिन व्रत रखती हैं और आठवें दिन 'कंजक पूजा' भी करती है। त्यौहार सबसे मिलने और प्यार बांटने के सिवाय और कुछ नहीं है।'

आयुध भानुशाली - 'नवरात्रि का जोश बेजोड़ होता है, सिर्फ मेरे लिए नहीं बल्कि मेरे पूरे परिवार में हर कोई नौ दिनों का उपवास रखता है लेकिन बच्चों को उपवास नहीं रखने दिया जाता है। हम गरबा के लिए तड़क-भड़क वाले कपड़े पहनते हैं और मिलकर नाचते हैं। हम आस-पास के मैदानों में जाते हैं और पूरी रात दोस्तों के साथ गरबा करते हैं।'

शुभांगी अत्रे - 'मुझे त्यौहार पसंद हैं। मैं इंदौर गई थी अब नवरात्रि मनाने की तैयारी कर रही हूँ। मैं नवरात्रि के नौ दिनों में कम से कम एक बार मंदिर जाती हूँ और सात्विक खाना खाती हूँ। नवरात्रि के हर दिन का खास रंग होता है, जो अनोखेपन का प्रतीक होता है।'

श्रद्धा आर्य - 'मेरे लिए नवरात्रि, जीवन, परंपरा और अपनों के साथ रहने का जश्न है। यह बहुत सारी खुशियां लाता है और उत्सव से भरा होता है। हर कोई डांडिया, गरबा और दुर्गा पूजा के लिए इकट्ठा होता है। मैं उत्सव के उल्लास का पूरा आनंद लेती हूं। मैं उपवास रखती हूं और मेरा परिवार भी व्रत रखता है।'

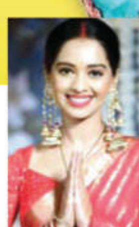

मुग्धा चाफेकर - 'नवरात्रि की मेरी कई यादें है। मुझे हमेशा गरबा खेलना पसंद है। जब मै छोटी थी, तो मै गरबा खेलने के लिए घाघरा चोली पहनती थी और डांडिया लेकर जाती थी। ये 9 दिन सबसे दिव्य होते है'

निवका कोटिया - 'मै नवरात्रि के जबर्दस्त उत्साह से सराबोर रही हूं। मै डांडिया एक्सपर्ट नहीं हूं फिर भी गरबा खेलने में मजा आता है। चनिया चोली में तैयार होने और ज्वेलरी एवं असेसरीज़ पहनने की यादें है। ये नौ दिन उत्साह से भरे होते है गरबा के बाद खाना और अक्सर देर से घर लौटना।'

निमिषा वखारिया - 'गुजराती होने के नाते नवरात्रि मेरे दिल के काफी करीब है। यह सिर्फ नाचने और जश्न मनाने के बारे में नहीं है, यह हमारी संस्कृति, परंपराओं और एकता की भावना के बारे में है। मै पूरे 9 दिन गरबा खेलने जाती थी और अपनी मां के साथ सबसे सुंदर चनिया चोली और रंग-बिरंगे आभूषणों की खरीदारी करने जाती थी।'

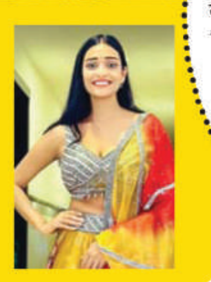

ऐश्वर्या खरे - पहले दिन मेरी मां कलश स्थापना करती है और पूरे 9 दिनों तक व्रत रखती है। अष्टमी का इंतजार रहता था, जब मै अपने पसंदीदा प्रसाद हलवा, काला चना और पुरी का मजा ले सकती थी।'

केके की यादों में खो गए हिमेश

जीटीवी के सिंगिंग रियलिटी शो सारेगामापा में जहां हिमेश रेशमिया, नीति मोहन और अनु मलिक बतौर जज नजर आ रहे है। फैमिली स्पेशल एपिसोड में नीति मोहन की बहनें - शक्ति मोहन और मुक्ति मोहन नजर आएंगे। कंटेस्टेंट अब्दुल शेख ने स्वर्गीय सिंगर केके के गाने 'तू ही मेरी शब है' प्रस्तुति दिया। रेशमिया ने कहा, 'मशहूर सिंगर केके जो आज हमारे बीच नहीं है, ने अपने शानदार गानों से कई यादें छोड़ी है। केके की आवाज़ हमारे कानों में गूंज रही है।!'

मैं कभी माधुरी दीक्षित जैसा नहीं कर सकती - सनी लियोन

जी टीवी के रियलिटी शो सारेगामापा में गेस्ट्स के रूप में एक्ट्रेस सनी लियोन शामिल थी। सनी लियोन वीडियो को प्रमोट करने पहुंची जो माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने 'मेरा पिया घर आया' का रीक्रिएशन है। लियोन ने कहा, 'ये गाना शूट करने से पहले मै बहुत नर्वस थी। मै जानती थी कि मै कभी वैसा नही कर सकती जैसा इसमें माधुरी मैम ने किया है। ये गाना बॉलीवुड का यादगार नगमा बन गया है और मेरी प्रस्तुति उन्हें विनम्र ट्रिब्यूट है।'

शूटिंग के दिनों में लौट गईं शिल्पा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का रियलिटी शो, इंडियाज़ गॉट टैलेंट में फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' की कास्ट- भूमि पेडनेकर, शहनाज़ गिल, कुशा कपिला, डॉली सिंह और शिबानी बेदी आयीं। शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, जिन्होंने मूल रूप से धड़कन में अभिनय किया था, ने फिल्म की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए कहा,'धड़कन मेरे दिल में खास जगह रखती है, खासकर यह गाना। जब भी शूटिंग के दौरान यह गाना बजता था, मै रोने से खुद को नही रोक पाती थी, उस समय मेरी शादी नही हुई थी लेकिन मै उस भावना से जुड़ती हूं, मुझे यकीन है कि हर लड़की इसे महसूस करती है।' 'दूल्हे का सेहरा' प्रसिद्ध नुसरत फतेह अली खान द्वारा गाए गए अंतिम गीतों में से है।

सपना ने की बात

स्टार भारत के शो 'मे आई कम इन मैडम' में सपना सिकरवार का किरदार है, जो गृहिणियों को प्रभावित कर रहा है। सपना कहती है, 'किरदार हर गृहिणी से जुड़ा हुआ है क्योंकि कश्मीरा सरल है। अपने पति से तारीफ के शब्द चाहती है और क्वालिटी टाइम बिताने की इच्छा रखती है। पति पर संदेह भी रखती है और पति-पत्नियों के अनुभवों को प्रतिबिंबित करती है।'

बॉलीवुड

शाहिद कपूर के साथ पूजा हेगड़े

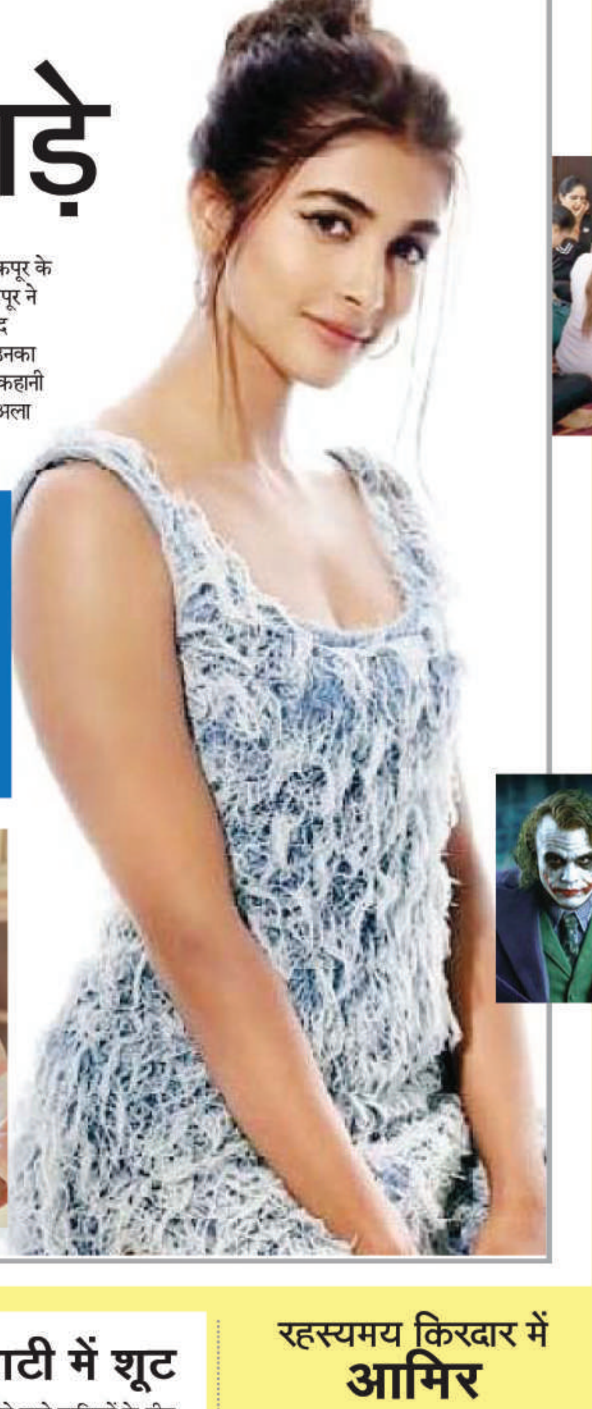

एक्शन थ्रिलर की साजिश को बढ़ाते हुए पूजा हेगड़े शाहिद कपूर के साथ है और निर्देशक रोशन एंड्रयूज का है। निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर ने कहा, 'पूजा हेगड़े को लाना हमारे लिए आसान था क्योंकि वह बेहद वर्सटाइल और होनहार है। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री है और उनका दूसरा पक्ष देखने को मिलेगा। हम पूजा को पाकर बहुत खुश है।' पूजा ने कहा, 'यह रोमांचक लेकिन अलग कहानी वाली फिल्म है। मैं इंतजार नहीं कर सकती। शाहिद कपूर शानदार कलाकार है।' पूजा को 'हाउसफुल 3', 'अला वैकुंठपुरमुलू' और 'बीस्ट' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। फिल्म 2024 में रिलीज होने वाली है।

फिल्म फेस्टिवल में जयदीप

अभिनेता जयदीप अहलावत की फिल्में 'जाने जान' और 'थ्री ऑफ अस' को हिमालयन फिल्म फेस्टिवल 2023 के लिए चुना गया। जयदीप ने कहा, 'मैं रोमांचित और उत्साहित हूं। यह शानदार मंच है। 'जाने जान' और 'थ्री ऑफ अस' दोनों मेरे दिल में विशेष स्थान रखती हैं।'

सूफी रॉक कलाकार जीशान जादू

जीशान खान सूफी-रॉक कलाकार है और लेकर आये है 'प्यार दोबारा', प्रेम गीत जिसे सारेगामा इंडिया लिमिटेड पर रिलीज किया। गीत का वीडियो दर्शाता है छोटे शहर की कहानी, जहाँ प्यार में चोट खाया हुआ शख्स अपने पहले प्यार की यादें भुला नहीं पा रहा हालाँकि जिन्दगी फिर उसके दिल के दरवाजे पर दस्तक दे रही है। सूफियाना अंदाज में रचा गया यह गाना दो अजनबियों को कटी पतंग से मिला देती है। जीशान कहते है- 'यह गाना अपनी धुन और भावनाओं दोनों के मामले में बेहद खास है। बेहतरीन कविताएँ, अपने अंदर कुछ दर्द छुपाये होती है और बीती हुई याद दिलाएगा।'

टीचर बन गईं निहारिका रॉय

जीटीवी का शो प्यार का पहला नाम राधामोहन रोमांटिक ड्रामा है। मोहन (शबीर अहलूवालिया), राधा (निहारिका रॉय) और दामिनी (संभावना मोहंती) है। निहारिका ने कहा- 'मै स्कूल के दिनों से योग सीख रही हूं, उस वक्त मै इसकी अहमियत नही समझ पाई लेकिन बेशक अब मै जानती हूं। मुझे लगता है कि यह शरीर की ताकत, संतुलन और चुस्ती बढ़ाने के सबसे बढ़िया तरीकों में से है, सबसे खास बात है कि इससे आप बहुत अच्छे दिखते है। हालांकि अब मुझे इतनी प्रैक्टिस करने का मौका नही मिलता जितनी मै किया करती थी लेकिन मुझे खुशी है कि मै योग सिखा रही हूं। मुझे उम्मीद है यह प्रेरित करेगा। जब मुझे पता चला कि मुझे योग टीचर का रोल निभाना होगा तो मै वाकई बहुत उत्साहित हो गई।'

करणवीर 'जोकर'

करणवीर बोहरा स्टार भारत के 'सौभाग्यवती भव - नियम और शर्तें लागू' में विराज डोबरियाल है। करणवीर 'द डार्क नाइट' फिल्म में हीथ लेजर के असाधारण अभिनय कौशल की प्रशंसा की। करणवीर कहते है- 'हमारे अभिनय की कोई तुलना नही है। हीथ लेजर अभूतपूर्व अभिनेता थे, उन्होंने जिस कौशल और कलात्मकता का प्रदर्शन किया उस स्तर तक पहुंचने के लिए समय और लगातार प्रयास की आवश्यकता होती है। वह असाधारण प्रतिभा थे और फिल्म में जोकर के रूप में उनका चित्रण जबरदस्त था। मै अभी भी कड़ी मेहनत कर रहा हूँ।'

सोशल ड्रामा 'डोरी'

कलर्स 'डोरी' नामक विचारोत्तेजक सोशल ड्रामा लॉन्च करने के लिए तैयार है। इसमें जिन सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा की जाती है, वह कई परित्यक्त लड़कियों की वास्तविकता को छूती है, जिन्हें उनके माता-पिता नही अपनाते है। पितृसत्तात्मक समाज में ये लड़कियां माता-पिता की पसंद नही है। यह लैंगिक असमानता लोगों के मन में घर कर गई है, जिन्हें महिलाओं के प्रति अपना नजरिया बदलना होगा और जमीनी स्तर पर उनकी शक्ति को पहचानना होगा। यह छह साल की बेटी डोरी की कहानी है, जो बनारस के बुनकर मोहल्ले में अपने पालक पिता गंगा प्रसाद के साथ रहती है। गंगा ने डोरी को पालने को जीवन का उद्देश्य बना लिया है।

गंगा प्रसाद बेटी पाकर खुद को भाग्यशाली मानते है, वहीं हथकरघा साम्राज्य की प्रभावशाली महिला कैलाशी देवी बेटियों को अयोग्य मानती है। अभिनेत्री सुधा चंद्रन कैलाशी देवी के रूप में, अमर उपाध्याय गंगा प्रसाद के रूप में और बाल कलाकार माही भानुशाली डोरी के भूमिका निभाएगी। सुधा कहती है- 'मै पारंपरिक बनारसी महिला का किरदार निभाऊंगी, जो अपने घर में पितृसत्ता पर ज़ोर देते हुए पारिवारिक व्यवसाय चलाती है।' अमर कहते है- 'गंगा प्रसाद अनुरागी पिता है, जो विकलांग होने के बावजूद अपनी बेटी को सर्वश्रेष्ठ जीवन देने के लिए दृढ़ संकल्पित है। पिता और बेटी के बंधन के माध्यम से लैंगिक असमानता से संवाद को बढ़ावा देगा।'

गोल्डन टेंपल पहुंचे अविनेश

जी टीवी का फिक्शन शो 'इक्क कुड़ी पंजाब दी' ड्रामा है। जिसमें कई अनजाने मोड़ आते है। पंजाब की कपूरथला रियासत में रचा-बसा यह शो जमींदार जाट परिवार की खूबसूरत और चुलबुली लड़की हीर ग्रेवाल (तनिशा मेहता) का सफर है। जिसमें तनिशा मेहता और अविनेश रेखी क्रमशः हीर और रांझा का रोल निभा रहे है। अविनेश ने कहा, 'जब भी मै अमृतसर में होता हूं तो मै आशीर्वाद लेने के लिए गोल्डन टेंपल जरूर जाता हूं। हर अच्छी चीज की सकारात्मक शुरूआत होनी चाहिए, ऐसे में इस सफर को शुरू करने का इससे बढ़िया तरीका और क्या हो सकता था। हजारों लोगों की मौजूदगी के बावजूद वो जगह सुकून का एहसास कराती है।'

कश्मीर की जादुई घाटी में शूट

सोनी सब के 'पश्मीना- धागे मोहब्बत के' अलग-अलग पृष्ठभूमियों से आने वाले व्यक्तियों के बीच प्रेम कहानी है। जिसमें ईशा शर्मा पश्मीना सूरी, गौरी प्रधान प्रीति और निशांत मलकानी को राघव कौल के किरदार में है। पश्मीना कश्मीर आने वाले पर्यटकों को अपनी हाउसबोट किराए पर देकर मां की मदद करती है। उसकी मुलाकात मुंबई के व्यवसायी राघव से होती है, जिससे विचारधाराओं के टकराव होता है। अंगद हसीजा पश्मीना के दोस्त पारस की भूमिका में है। जिसका प्रीमियर 25 अक्टूबर को शाम 7:30 बजे होगा

वास्तविक कनेक्शन बनाना दुर्लभ है- नेहा

कलर्स के 'जुनूनियत' में इलाही की भूमिका निभाने वाली नेहा राणा अपनी मां से दूर चंडीगढ़ में रह रही है और शूटिंग कर रही हैं। नेहा कहती है- 'अपने सपनों को पूरा करने के लिए मां से दूर रहना खट्टा-मीठा सफर रहा है। मेरी मां की बस मेरा दिन बदल देती है और मुझे उनके हाथों से बने खाने का स्वाद याद आता है। मेरी रील सास गुरविंदर कौर मुझसे बहुत प्यार करती है और अपने बच्चे की तरह मानती है। वह ऑनस्क्रीन शानदार सास है। मुझे लगता है कि हर शादीशुदा लड़की को उनके जैसी समझदार सास मिलनी चाहिए।'

नेहा पेंडसे ने बताई खास बात

नेहा पेंडसे स्टार भारत के शो 'मे आई कम इन मैडम' में है। नेहा ने कहा, 'मैने अनुपमा शो का मराठी संस्करण 'आई कुठे काय करते' देखा था, मै अनुपमा के किरदार से खुद को जोड़ नही पा रही थी क्योंकि वह मेरे जैसी नहीं थी। अनुपमा के दुखी रहने और पीड़ा सहने के गुण से मै खुद को बिलकुल भी जोड़ नही पा रही थी इसलिए, मैने इस प्रस्ताव को अस्वीकार करने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा, 'अब, जब मै पीछे मुड़कर देखती हूं और 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' अपने फैसले को कहूँगी, मै अनुपमा से बिल्कुल अलग हूं और मै उसके साथ सहज नही हो पाती। इतना ही नहीं मेरा गुस्सा उस किरदार में भी दिखेगा कि 'तू पागल है क्या जो ये सब कर रही है'।'

रहस्यमय किरदार में आमिर

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन फिक्शन शो 'दबंगी... मुलगी आई रे आई' में युवा लड़की 'आर्या दबंगी' है। आमिर दलवी तेजतर्रार और करिश्माई सत्या की भूमिका निभाएंगे। आमिर ने कहा, 'सत्या चतुर व्यक्ति है, जिसके पास वित्तीय मामलों के लिए असाधारण कौशल है। वह धन इकट्ठा करने और जटिल योजनाओं का जाल बनाए रखते हुए प्रसिद्धि हासिल करने में माहरि है। सत्या ग्रे किरदार है। आत्म-प्रेम की उसकी अवधारणा बेमिसाल है, जो भलाई पर ध्यान केंद्रित करती है। आमिर आगे कहते है- 'अच्छे या बुरे की सरल परिभाषाओं तक ही सीमित नही है। हर दृश्य, व्यक्ति की मानसिक स्थिति, दिन के समय और उसकी मूल्यांकन करने, निरीक्षण करने और उसमें से बारीकियां निकालने की क्षमता के आधार पर अलग-अलग तरह से सामने आता है।'

ऐश्वर्या के साथ करते हैं शरारतें रोहित

जीटीवी का शो 'भाग्य लक्ष्मी' लक्ष्मी (ऐश्वर्या खरे) एवं ऋषि (रोहित सुचंती) की जिंदगियों को कहती है। रोहित सुचंती बताते है, 'हम सेट पर बड़े ड्रामा सीक्वेंस कर रहे है और माहौल को थोड़ा हल्का-फुल्का बनाए रखने के लिए मै हमेशा अपने को-स्टार्स, खासतौर पर ऐश्वर्या से कुछ मजेदार शरारतें करने की कोशिश करता रहता हूं। कभी-कभी मै उसका फोन अपने रूम में छुपा देता हूं या फिर उसकी स्क्रिप्ट अमन के रूम में रख देता हूं या फिर उनके वीडियो पर कोई मजेदार फिल्टर लगा देता हूं। हम मजेदार वीडियोज भी बनाते है और वो भी बदला लेने की कोशिश करती है।'

बेटी को बनाएं करोड़पति

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर खास

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

अक्टूबर के महीने में हम इंटरनेशनल गर्ल चाइल्ड डे मनाते हैं। अगर आप इस मौके पर अपनी बेटी को कोई तोहफा देना चाहते हैं तो उसके लिए फाइनेंशियल प्रोडक्ट सबसे बेहतर तोहफा साबित हो सकता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस 11 अक्टूबर को मनाया जाता है लेकिन पूरे अक्टूबर माह के दौरान भी अगर आप अपनी बेटी को कोई वित्तीय तोहफा दे देंगे तो उसका भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। सरकार द्वारा लड़कियों के लिए कई तरह की निवेश योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं में से आप किसी एक योजना में अपनी बेटी के नाम से निवेश शुरू कर दीजिये आप देखेंगे कि जब तक आपकी बेटी शादी के लायक होगी तब तक वह करोड़पति बन चुकी होगी

देश की आधी आबादी यानी महिलाओं के सम्मान और उनके बेहतर आर्थिक भविष्य के लिए मौजूदा सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं। इसी कड़ी में हाल ही में महिलाओं को आरक्षण दिये जाने का फैसला भी सरकार ने लिया है। 11 अक्टूबर को हम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाते हैं। अक्टूबर का महीना चल ही रहा है इसलिए अगर आप एक बेटी के बाप हैं तो आप अपनी बेटी के लिए इस खास मौके पर कोई खास तोहफा जरूर दें। आप सोच रहे होंगे कि ऐसा कौन सा तोहफा दिया जो बेहद खास हो। अगर आपको ऐसा कोई तोहफा समझ में नहीं आ रहा है तो चलिए हम आपको बताते हैं कि आप अपनी बेटी को कौन सा तोहफा इस मौके पर दे सकते हैं।

फाइनेंशियल गिफ्ट सबसे बेहतर विकल्प

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस हालांकि अब निकल चुका है लेकिन अक्टूबर का महीना अभी चल रहा है इसलिए आप अपनी बेटी को कोई बेहतरीन गिफ्ट अब भी दे सकते हैं। यह गिफ्ट आप किसी वित्तीय प्रोडक्ट में अपनी बेटी के नाम से मासिक रूप से कुछ धनराशि निवेश करके दे सकते हैं। आप देखेंगे कि आपका यह गिफ्ट आपकी बेटी के लिए इतना बेहतरीन तोहफा साबित होगा कि वह शादी की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते करोड़पति भी बन सकती है।

कौन सा वित्तीय तोहफा बेहतर

वैसे तो केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा बालिकाओं और महिलाओं के लिए कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है लेकिन केंद्र सरकार द्वारा चलाई जाने वाली दो मुख्य योजनाएं आपकी बेटी की जिंदगी के लिए बेहत फायदेमंद साबित हो सकती हैं। इन दो योजनाओं में से एक है सुकन्या समृद्धि योजना और दूसरी है बालिक समृद्धि योजना। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर आप इन योजनाओं में से सुकन्या योजना में निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

प्री मैच्योर विड्राल की सुविधा

सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बेटी की आयु 18 वर्ष की होने के बाद उसकी उच्च शिक्षा के लिए पैसे निकाले जा सकते हैं। इसके अलावा अगर इस अवधि में बच्ची की शादी ब्याह की बात होती है तो भी योजना से 50 फीसद तक की धनराशि का प्री मैच्योर विड्राल लिया जा सकता है।

परिवार की कितनी लड़कियों के खुलेंगे खाते

इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार से दो लड़कियों को खाता खोलने की अनुमति उनके अभिभावकों को दी गई है। विशेष परिस्थितियों में यानी अगर किसी परिवार में जुड़वां या एक साथ तीन बच्चियां पैदा हो गई हैं तो उन परिवारों के लोग दो से ज्यादा बेटियों के खाते इस योजना के तहत खुलवा सकते हैं।

10 वर्ष की आयु से पहले खोल सकते हैं अकाउंट

जन्म से 10 साल की उम्र तक ही बेटियों का सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाया जा सकता है। एक परिवार में अधिकतम दो लड़कियों के लिए यह खाता खोला जा सकता है।

प्री मैच्योर अकाउंट बंद करने की सुविधा

अक्सर देखा जाता है कि किसी परिवार की आर्थिक स्थिति अचानक खराब हो जाती है। ऐसे में सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खुलने वाले खाते में प्रति माह एक निर्धारित धनराशि जमा करना उनके लिए टेढ़ी खीर साबित होता है। ऐसे परिवारों की परेशानियों को देखते हुए सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खोले गए खाते को पांच साल बाद बंद भी किया जा सकता है। वैसे तो इस योजना के तहत आठ फीसद की दर से ब्याज मिलता है लेकिन प्री मैच्योर अकाउंट बंद करने पर ब्याज दर किसी बैंक के बचत खाते के समान ही मिलेगी।

आयकर छूट के लिए कर सकते हैं क्लेम

सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश करने वाले लोगों को निवेश की गई धनराशि पर आयकर की धारा 80सी के तहत सालाना अधिकतम डेढ़ लाख रुपए तक के निवेश पर कर छूट मिलती है।

कैसे करोड़पति बनाती है यह योजना

आइए अब हम बात करते हैं कि यह योजना आपको करोड़पति कैसे बना सकती है। इसे एक उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं। मान लीजिए आपने अपनी बेटी के लिए लगभग एक साल की उम्र में सुकन्या खाता खोला और लगातार 15 साल तक 12500 रुपए प्रति माह सुकन्या अकाउंट में जमा किए। चूंकि इस योजना में ब्याज की दर सालाना आठ फीसद है तो 15 साल में आपकी कुल धनराशि लगभग 43.98 लाख रुपए हो जाएगी। चूंकि पूरी धनराशि निकालने के लिए बेटी की उम्र 21 साल की होनी जरूरी है अतः 15 साल बाद आपको मासिक निवेश तो नहीं करना होगा लेकिन ब्याज की गणना जारी रहेगी इस तरह जब आपकी बेटी 21 साल की हो जाएगी तो उसे लगभग 69.80 लाख रुपए मिलेंगे। जब आपको यह रकम मिल जाए और आपका इरादा अपनी बेटी की शादी अगले पांच साल बाद करने का है तो आप इसमें से 50 लाख रुपए किसी म्यूचुअल फंड योजना में पांच साल के लिए एकमुश्त निवेश कर दें। यह रकम दस-दस लाख रुपए करके अलग-अलग म्यूचुअल फंड अकाउंट में भी निवेश की जा सकती है। इस पांच साल के निवेश पर आपको 10 फीसद रिटर्न मिलता है तो आपकी 50 लाख रुपए की कुल रकम इस पांच साल में 80.52 लाख रुपए हो जाएगी। अगर आप कैलकुलेट करेंगे तो पाएंगे कि आपकी बेटी जब 25 साल की हो जाएगी तो उसके पास कुल एक करोड़ रुपए होंगे। गणना के लिए आप किसी भी बैंक का आनलाइन सुकन्या कैलकुलेटर इस्तेमाल कर सकते हैं।

सुकन्या समृद्धि योजना में क्या है खास

इस योजना के तहत आप अपनी बेटी का खाता किसी सरकारी बैंक या पोस्टआफिस में खुलवा सकते हैं। खाता खोलने के लिए बेटी की उम्र दस साल के भीतर होनी चाहिए। योजना के तहत आप अपनी बेटी के नाम से हर माह न्यूनतम 250 रुपए और अधिकतम 12500 रुपए योजना के तहत खोले गए खाते में जमा कर सकते हैं। योजना की मैच्योरिटी की कोई समयसीमा नहीं बल्कि आपकी बेटी की आयुसीमा रखी गई है। यानी जब आपकी बेटी 21 साल की होगी तो आपकी बेटी का सुकन्या समृद्धि योजना का पैसा उसे मिल जाएगा। लेकिन योजना में निवेश की कुल अवधि सिर्फ 15 साल ही होगी।

साइबर अटैक के नुकसान की भरपाई करता है

साइबर इंश्योरेंस

पिछले कुछ वर्षों में साइबर इंश्योरेंस की मांग काफी तेजी से बढ़ी है। इसकी वजह यह है कि साइबर अपराधों का ग्राफ भी काफी तेजी से चढ़ रहा है। अक्सर सुनने को मिलता है कि किसी का बैंक खाता हैक करके लाखों रुपए निकाल लिए गए तो कभी यह सुनने को मिलता है कि हैकरों ने किसी कार्यालय के कंप्यूटर सिस्टम पर हमला करके उसे हैक कर लिया और हैकर प्रबंधन से इस सिस्टम को दुबारा ठीक करने के लिए फिरौती मांग रहे हैं। साइबर अपराधियों के शिकंजे से बचने के लिए साइबर इंश्योरेंस पालिसी आज की जरूरत बन गई है

अपूर्व कुमार दत्त
बीमा विशेषज्ञ

साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने के लिए अक्सर हमारे फोन में संदेश आते रहते हैं। लेकिन इसके बावजूद हर रोज समाचार पत्रों में हम साइबर क्राइम से जुड़ी खबरें पढ़ने को मिलती हैं। जैसे अमुक व्यक्ति के बैंक खाते से लाखों रुपये किसी ने अवैध तरीके से निकाल लिए, किसी के क्रेडिट कार्ड से बिना उसके इस्तेमाल किए खरीदारी हो गई है, किसी सरकारी विभाग की वेबसाइट को हैक करके गलत सन्देश प्रसारित कर दिया गया है, हैक की गई वेबसाइट से जबरन वसूली, चारित्रिक हनन, फेसबुक आईडी हैक करके पैसे की उगाही, कंप्यूटर मोबाइल में वायरस डालकर फिरौती मांगना आदि। कंप्यूटर और इंटरनेट की मदद से किए जाने वाले इन सभी अपराधों को साइबर क्राइम की श्रेणी में रखा जाता है। साइबर अपराध इन दिनों काफी तेजी से फैल रहा है। जिससे लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

साइबर इंश्योरेंस की मांग बढ़ी

साइबर अपराध से होने वाले अकल्पनीय नुकसान से बचने के लिए साइबर इंश्योरेंस की मांग तेजी से बढ़ने लगी है। साइबर इंश्योरेंस दरअसल आपके व्यावसायिक डाटा की सुरक्षा का उल्लंघन होने व ग्राहकों की गोपनीय जानकारी, क्रेडिट डेबिट कार्ड और बैंक खाते का विवरण आदि अवांछित व्यक्ति के पास चले जाने से होने वाले नुकसान की भरपाई करता है। स्मार्टफ़ोन के बढ़ते इस्तेमाल से साइबर क्राइम भी बढ़ रहा है।

साइबर इंश्योरेंस का कवर

साइबर इंश्योरेंस के जोखिम कवर की रेंज काफी बड़ी है। साइबर अपराधी आमतौर से मालवेयर अटैक, हैकिंग, कंप्यूटर को नुकसान, हैकिंग के जरिए किसी तरह का वित्तीय नुकसान, फोन के जरिए व्यक्ति का डाटा चोरी कर उसका दुरुपयोग और क्रिप्टो माइनिंग के झूठे प्लेटफार्म के जरिए लोगों से पैसे जुटाने का काम करते हैं। साइबर इंश्योरेंस पालिसी के तहत इन सभी तरह के साइबर अपराधों को जोखिम कवर प्रदान किया जाता है।

जोखिम कवर व प्रीमियम की राशि

साइबर इंश्योरेंस के तहत जोखिम कवर और प्रीमियम की राशि जोखिम की व्यापकता को देखते हुए तय की जाती है। उदाहरण के तौर पर किसी कार्यालय में दो कंप्यूटर लगे हैं तो उसके जोखिम कवर और प्रीमियम की धनराशि कम होगी जबकि किसी संस्थान में 200 कंप्यूटर लगे हैं तो उसके प्रीमियम और जोखिम कवर की राशि कहीं ज्यादा होगी। आमतौर पर जोखिम कवर की राशि 10 हजार रुपए से लेकर पांच करोड़ रुपए तक की हो सकती है।

किन चीजों का कवर नहीं

बीमा कंपनियां साइबर अपराधियों द्वारा किसी कार्यालय को पहुंचाए गए नुकसान को कवर देने से पहले यह सुनिश्चित करती हैं कि कार्यालय का काम करते हुए अगर साइबर अटैक से नुकसान पहुंचा है तो उसका कवर ही दिया जाएगा। अगर कोई व्यक्ति कार्यालय में वीडियो गेम खेल रहा है और ऐसे में उसके गेम खेलते वक्त ही उसका कंप्यूटर हैक कर लिया जाए साथ ही उसके कंप्यूटर के जरिए कार्यालय के अन्य कंप्यूटरों को भी नुकसान पहुंचाया जाए तो इसका कवर बीमा कंपनियां नहीं देतीं।

दो तरह की होती साइबर पालिसी

बीमा कंपनियों ने दो तरह की साइबर इंश्योरेंस पालिसी बाजार में उतार रखी हैं। इनमें से एक पालिसी तो कारपोरेट जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जिसमें कार्यालय में रखे हजारों कंप्यूटरों को जोखिम कवर में शामिल कराया जा सकता है जबकि दूसरी तरह की पालिसी व्यक्तिगत खरीदारों के लिए है। इस तरह की पालिसी में घर में कंप्यूटर, इंटरनेट और स्मार्टफोन का इस्तेमाल करने वाले लोग अपनी निजी साइबर इंश्योरेंस खरीद सकते हैं।

किन बातों पर दें ध्यान

अगर आप साइबर इंश्योरेंस पालिसी खरीदना चाहते हैं तो कुछ खास बातों का ध्यान अवश्य रखें। पालिसी खरीदते वक्त यह अवश्य देखें कि आपके कार्यालय में जितने कंप्यूटर साफ्टवेयर, हार्डवेयर, सर्वर, स्मार्टफोन व अन्य उपकरणों को कवर में शामिल किया गया है अथवा नहीं। कुछ कंपनियां अतिरिक्त उपकरणों को भी कवर में शामिल करती हैं लेकिन उसके लिए अगल से प्रीमियम वसूल करती हैं।

संपत्ति की खरीद में रखें

लोकेशन पर नजर

अर्थशास्त्र का सिद्धांत है कि जिस वस्तु की मांग बढ़ेगी, उसकी कीमत भी बढ़ना लाजिमी है। अर्थशास्त्र के इसी सिद्धांत को देखते हुए संपत्ति की खरीद में आपको ऐसी संपत्ति का चयन करना चाहिए जिसकी लोकेशन ज्यादा बेहतर हो। क्योंकि अच्छी लोकेशन वाली संपत्ति की मांग ज्यादा रहती है। अगर आप अच्छी लोकेशन वाली संपत्ति खरीदेंगे तो निश्चित रूप से वह संपत्ति बेचने पर आपको ज्यादा मुनाफा मिल सकता है

प्रदीप मिश्रा
एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

अक्सर मुझसे पूछा जाता है कि किसी संपत्ति की खरीदारी में कौन से तीन मुख्य पहलुओं का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाना चाहिए, तो इसके जवाब में मैं सिर्फ लोकेशन, लोकेशन और लोकेशन का नाम लेता हूं। अगर आप भी संपत्ति की खरीदारी पर विचार कर रहे हैं और वह खरीद चाहे खुद के इस्तेमाल के लिए हो या फिर किराये के जरिये आमदनी का विकल्प बनाने के लिए, यह बात गांठ बांध लें कि संपत्ति के चयन में उसकी लोकेशन से कोई समझौता न करें। क्योंकि लोकेशन ही वह मुख्य पहलू है जो बढ़ते वक्त के साथ संपत्ति की कीमत को बढ़ाने में सर्वाधिक अहम भूमिका निभाता है।

लोकेशन का वर्गीकरण

वैसे लोकेशन को हम दो हिस्सों में बांटकर देख सकते हैं, पहला यह कि आप किसी शहर के किस हिस्से या क्षेत्र अथवा लोकेशन पर संपत्ति खरीद रहे हैं और दूसरा यह कि उस क्षेत्र विशेष में आपकी संपत्ति की लोकेशन क्या है ? संपत्ति की सही लोकेशन कैसे परखी और तय की जाए आइये इसे हम विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं।

प्रोजेक्ट में प्रापर्टी की लोकेशन

आप जिस प्रोजेक्ट में प्रापर्टी खरीदने जा रहे है सबसे पहले उस प्रोजेक्ट की लोकेशन पर गौर करें। इसके बाद उस प्रोजेक्ट में अपनी पसंदीदा संपत्ति की लोकेशन पर नजर डालें। अगर आप किसी बहुमंजिला इमारत में आवासीय संपत्ति खरीद रहे हैं तो फ्लोर पर ध्यान दें। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऊपरी तलों की तुलना में निचले तलों की संपत्ति कुछ महंगी होती है। जाहिर है आप वर्तमान में महंगी संपत्ति खरीदेंगे तो भविष्य में उसी अनुपात में उसके दामों में भी इजाफा होगा। इसी तरह यह देखें कि संपत्ति के सामने और उसके अगल-बगल क्या चीजें है। आपके मकान के सामने यदि पार्क या फिर स्वीमिंग पूल हो या फिर वहां से ग्रीन बेल्ट यानी आंखों को सुकून देने वाली हरियाली दिखाई देती हो तो निश्चय ही भविष्य में उस संपत्ति की कैपिटल वैल्यू में जोरदार इजाफा होगा। साथ ही अगर वह संपत्ति कॉर्नर पर होने के साथ ग्राउंड फ्लोर की हो तो ऐसी संपत्तियों के खरीदारों की संख्या अधिक रहती है। रेजिडेंशियल के साथ ही कॉमर्शियल इस्तेमाल वाली ऐसी लोकेशन की संपत्तियों के मुंह मांगे दाम मिलने में भी देर नहीं लगती। आइये अब किसी शहर में किसी क्षेत्र विशेष की लोकेशन तय करते हुए क्या चीजें जेहन में रखनी चाहिए उस पर भी चर्चा कर लेते हैं।

बुनियादी सुविधाएं

बुनियादी सुविधाओं को उस क्षेत्र विशेष के बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के तौर पर भी समझा जा सकता है। इसकी परख करना तब बेहद जरूरी है जब आप किसी ऐसी जगह प्रापर्टी खरीद रहे हों जो अर्धविकसित हो और विकास की राह पर बढ़ रहा हो। ऐसे में आप सबसे पहले यह देखें कि उस क्षेत्र में रोजमर्रा की खरीदारी के लिए बाजार वगैरह की सुविधाएं कैसी है? सप्ताहांत में मनोरंजन के कैसे विकल्प हैं। साथ ही बच्चों के लिए अच्छे स्कूलों के अलावा जरूरत पड़ने पर क्या वहां अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अस्पतालों की उपलब्धता है? इसके साथ ही उस क्षेत्र की पहुंच के लिए सड़कों का हाल कैसा है, आवागमन के लिए अगर आपके पास अपना कोई निजी साधन न हो या जरूरत पड़ने पर क्या उस जगह तक की पहुंच के लिए बस, मेट्रो रेल आदि की वैकल्पिक व्यवस्थाएं है या नहीं। अगर आप ऐसा मकान खरीद रहे है जिसमें आपको अपने परिवार के साथ खुद ही रहना हो तो अपने आफिस से उसकी दूरी पर भी जरूर ध्यान दें। यह इसलिए भी जरूरी हो जाता है कि कहीं आपको घर से आफिस की दूरी तय करने में ही बहुत ज्यादा वक्त न लग जाए और दूरी तय करने के दौरान आप अपने और परिवार के लिए समय ही न निकाल पाएं।

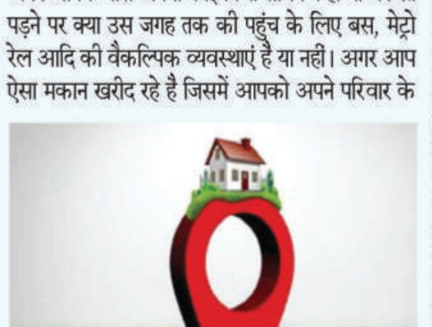

लिविंग कॉस्ट व जेनट्री

बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और दूसरी सुविधाएं देखने के साथ ही यह परखना भी जरूरी है कि जहां आप संपत्ति खरीद रहे है वहां लिविंग कॉस्ट कैसी है। मसलन जिस सोसायटी में आप संपत्ति ले रहे है वहां रखरखाव और अंदरूनी सुरक्षा व दूसरी सुविधाओं के उपयोग के लिए आपको आरडब्ल्यूए को मासिक तौर पर कितना सहयोग करना होगा। साथ ही उस जगह के बाजारों में किस दाम पर आपको चीजें उपलब्ध हो पाएंगी, वहां मनोरंजन के साधनों पर औसतन आपका खर्च कितना होगा। इस बात को एनसीआर के शहरों से समझें तो गाजियाबाद की तुलना में नोएडा की लिविंग कॉस्ट महंगी है जबकि नोएडा और गुड़गांव को तुलनात्मक तौर पर देखें तो गुड़गांव की लिविंग कॉस्ट कहीं अधिक आती है। दिल्ली की ही बात करें तो उत्तरी और दक्षिणी दिल्ली की तुलना में पूर्वी दिल्ली की संपत्तियों के दाम और लिविंग कॉस्ट कही किफायती है। लिंविंग कॉस्ट के साथ ही यह भी परखें कि जहां आप संपत्ति ले रहे है वहां किस आय वर्ग के लोग रहते है, उनका लिविंग स्टैंडर्ड कैसा है? इसमें कोई दो राय नही कि यदि आपने अपना लंबा समय किसी पॉश एरिया व बड़े मकान में बिताया होगा तो टिकट साइज हाउसिंग में आपको अनुकूलता लाने में समय लगेगा।

सुरक्षा और क्राइम रेट

करीब ढाई दशक पहले दिल्ली-एनसीआर में ग्रुप हाउसिंग या कम्युनिटी लिविंग की मांग में तेजी से इजाफा हुआ, इस मांग के पीछे व्यक्तिगत सुरक्षा प्रमुख वजह रही। आपको याद होगा कि तीन दशक पहले लोग प्लाट खरीदकर उसपर मनचाहा आशियाना बनवाना ज्यादा पसंद करते थे। लेकिन समय के साथ चोरी, हत्या, लूटपाट जैसे अपराधों की वजह से लोगों ने ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं में रहना पसंद किया। मुख्य प्रवेश द्वार के साथ टावर के नीचे सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी कैमरे, बर्गलर अलार्म जैसी व्यवस्थाओं ने तो ग्रुप हाउसिंग की चारदीवारी और घरों को सुरक्षित बनाया लेकिन सुरक्षा की जरूरत तो मकान की चारदीवारी के बाहर भी है। ऐसे में संपत्ति खरीदते समय किसी क्षेत्र का चुनाव करते हुए वहां के क्राइम रेट और सुरक्षा के पहलू पर भी जरूर गौर करें। यह देखें कि उस क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग की व्यवस्था कैसी है, देर शाम के साथ ही सुनसान हो चुकी सड़कों पर क्या रात में घर तक की वापसी के वक्त आपको चिंता करने की जरूरत तो नही होगी। यह बात याद रखें कि जिस क्षेत्र विशेष में क्राइम रेट की अधिकता होती है वहां की संपत्तियों के दाम और मांग को प्रभावित होने में बहुत ज्यादा देर नहीं लगती।

भविष्य की संभावनाएं

संपत्ति चाहे आवासीय इस्तेमाल की हो या फिर व्यावसायिक, उसकी और वह जिस इलाके में हो वहां की भविष्य की संभावनाओं की परख करना भी लाजिमी है। जरा सोच कर देखिये कि आप किसी ऐसी जगह संपत्ति खरीदते है जहां चार-पांच साल बाद कोई बस अड्डा बन जाए, मेट्रो या मोनो रेल की सुविधाएं शुरू हो जाएं, कोई एम्यूजमेंट पार्क बन जाए, मॉल या मल्टीप्लेक्स का निर्माण हो जाए, कुछ फ्लाईओवर, फ्रेट कॉरिडोर बन जाएं तो इन सबसे उस इलाके की संपत्तियों की मांग में इजाफा तय है।

नवरात्र से पहले भारतीय गेंदबाजों ने स्टंप से खेला डांडिया

आईसीसी वनडे वर्ल्डकप: भारत ने पाकिस्तान को विश्वकप में फिर रौंदा, इस वर्ल्डकप में लगातार तीसरी जीत की दर्ज

वर्ल्डकप में ऐसा सिर्फ दूसरी बार...

जसप्रीत बुमराह ने पाक के खिलाफ 7 ओवर में 19 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत-पाकिस्तान वनडे वर्ल्डकप मैच में यह दूसरा मौका था जब कोई गेंदबाज प्लेयर ऑफ द मैच बना। इससे पहले 1999 में वेंकटेश प्रसाद प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। मैनचेस्टर में वेंकटेश प्रसाद ने 9.3 ओवर में 27 रन देकर 5 विकेट लिए थे।

अच्छा लग रहा है। आपको जल्द से जल्द विकेट को परख लेना होता है। हम जानते थे कि विकेट धीमा है तो हार्ड लेंथ करनी थी। हम बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी करना चाहते थे। जब मैं युवा था तो मेरे दिमाग में कई सवाल रहते थे, जिससे मुझे अब मदद मिल रही है। मुझे विकेट को पढ़ना अच्छा लगता है और कई विकल्पों को चुनना पसंद है। (रिजवान विकेट) मैंने देखा कि जडेजा की गेंद टर्न हो रही थी, तो मैंने अपनी धीमी गति की गेंद को स्पिनर की धीमी गति की गेंद की तरह से किया। मुझे लगा कि इस पर रन बनाना मुश्किल होगा और यह काम कर गई। मैंने कई बार वकार युनूस और वसीम अकरम को ऐसी जादुई गेंद करते देखा है और ऐसा करके बहुत अच्छा लग रहा है।

☐ **जसप्रीत बुमराह**, प्लेयर ऑफ द मैच

वर्ल्डकप में भारत की ओर सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

44	जवागल श्रीनाथ
44	जहीर खान
31	अनिल कुंबले
31	मोहम्मद शमी
28	कपिल देव
26	जसप्रीत बुमराह
24	मनोज प्रभाकर

वनडे क्रिकेट में 300 छक्के जड़ने वाले दुनिया के तीसरे क्रिकेटर बने रोहित

रोहित शर्मा वनडे अंतरराष्ट्रीय में 300 छक्के पूरे करने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित के अलावा इस लिस्ट में क्रिस गेल और और शाहीद अफरीदी का नाम शुमार है। गेल ने इस फॉर्मेट में 351 छक्के और अफरीदी ने 331 छक्के जड़े थे।

सबसे कम पारियों में 300 छक्के

246 पारी - रोहित शर्मा*
282 पारी - क्रिस गेल
324 पारी - शाहिद अफरीदी

वर्ल्डकप में सफल रन चेज करते हुए रोहित सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

रोहित वनडे वर्ल्डकप में सफल रन चेज करते हुए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड रिकी पोंटिंग के नाम पर दर्ज था जिन्होंने 519 रन बनाए थे, लेकिन हिटमैन अब 586 रन के साथ पहले स्थान पर आ गए हैं।

वनडे में सफल रन चेज करते हुए सर्वाधिक रन

5588 रन	विराट कोहली
5490 रन	सचिन तेंदुलकर
4200 रन	रोहित शर्मा
4186 रन	रिकी पोंटिंग
3950 रन	जैक कैलिस

अहमदाबाद,(एजेंसी)। रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से भारत ने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को खेल के हर विभाग में बौना साबित करते हुए 117 गेंद शेष रहते सात विकेट से रौंद कर आईसीसी एक दिवसीय विश्वकप की अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया। यह भारत की टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत हासिल की है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने पाकिस्तान की टीम को 42.5 ओवर में 191 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में भारत ने 30.3 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 63 गेंद पर 86 रन की अर्धशतक पारी खेली। रोहित के आउट होने के बाद श्रेयस अय्यर नाबाद 53 रन और केएल राहुल नाबाद 19 रन ने भारत को जीत दिलाई। विराट कोहली और शुभमन गिल ने 16-16 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान के लिए कप्तान बाबर आजम (50 रन) और मोहम्मद रिजवान (49) ने 155 रन तक पहुंचाया। बाबर के आउट होने के बाद पाकिस्तान ने आखिरी सात खिलाड़ी मात्र 36 रन पर गंवाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान	रन	गेंद	4/6
अब्दुल्लाह शफीक पगबाधा सिराज	20	24	3/0
इमाम-उल-हक कै. केएल बो. हार्दिक	36	38	6/0
बाबर आजम बो. सिराज	50	58	7/0
मोहम्मद रिजवान बो. बुमराह	49	69	7/0
सऊद शकील पगबाधा कुलदीप	06	10	0/0
इफ्तिखार अहमद बो. कुलदीप	04	04	1/0
शादाब खान बो. बुमराह	02	05	0/0
मोहम्मद नवाज कै. बुमराह बो. हार्दिक	04	14	0/0
हसन अली कै. गिल बो. जडेजा	12	19	2/0
शाहीन शाह अफरीदी नाबाद	02	10	0/0
हारिस रउफ पगबाधा जडेजा	02	06	0/0

अतिरिक्त: 04, **कुल:** 42.5 ओवर में 191 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-41, 2-73, 3-155, 4-162, 5-166, 6-168, 7-171, 8-187, 9-187, 10-191 **गेंदबाजी:** जसप्रीत बुमराह 7-1-19-2, मोहम्मद सिराज 8-0-50-2, हार्दिक पंड्या 6-0-34-2, कुलदीप यादव 10-0-35-2, रवींद्र जडेजा 9.5-0-38-2, शार्दुल ठाकुर 2-0-12-0.

भारत	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा कै. इफ्तिखार बो. शाहीन	86	63	6/6
शुभमन गिल कै. शादाब बो. शाहीन	16	11	4/0
विराट कोहली कै. नवाज बो. हसन	16	18	3/0
श्रेयस अय्यर नाबाद	53	62	3/2
केएल राहुल नाबाद	19	29	2/0

अतिरिक्त: 02, **कुल:** 1-23, 2-79, 3-156, **विकेट पतन:** 1-23, 2-79, 3-156 **गेंदबाजी:** शाहीन शाह अफरीदी 6-0-36-2, हसन अली 6-0-34-1, मोहम्मद नवाज 8.3-0-47-0, हारिस रउफ 6-0-43-0, शादाब खान 4-0-31-0.

मैंने खुद को गाली दी...

पाक के खिलाफ मंत्र पढ़ने पर हार्दिक पंड्या बोले...

इस मुकाबले में स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने 34 रन देकर 2 विकेट लिए। उनका एक वाकया काफी वायरल हुआ, जिसमें वो बॉल को हाथ में लेकर कुछ मंत्र जैसा पढ़ते नजर आ रहे हैं। इसके बाद वो फूक मारते हैं और अगली ही बॉल पर विकेट हासिल कर लेते हैं। पंड्या का जब यह वीडियो वायरल हुआ, तो फैन्स को मन में यह जानने की उत्सुकता हुई कि आखिर पंड्या ने यह क्या किया था? अब इस ऑलराउंडर ने खुद ही खुलासा कर दिया है। मैच के बाद पूर्व दिग्गज गौतम गंभीर और इरफान पठान से बात करते हुए पंड्या ने मजाकिया अंदाज में कहा कि उन्होंने खुद को गाली दी थी। दरअसल, पाकिस्तान की पारी का 13वां ओवर तेज गेंदबाज हार्दिक पंड्या ने ही किया था। इसकी तीसरी बॉल डालने से पहले हार्दिक अपने दोनों हाथ में बॉल लेकर कुछ बोलते नजर आए। कुछ बोलने के बाद पंड्या ने फूंक मारी और तीसरी बॉल डाल दी। स्ट्राइक पर इमाम उल हक थे, जो उस बॉल पर विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट हो गए। मैच के बाद खुलासा करते हुए हार्दिक ने उस वाकये पर कहा, वो मैंने बड़ी सरल तरीके से अपने से बात की थी।

अफगानिस्तान की टक्कर इंग्लैंड से आज, मैच दोपहर 2 बजे से स्टार स्पोर्ट्स पर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ करारी हार के बाद अपने अभियान को वापस पटरी पर लाने वाला गत चैंपियन इंग्लैंड रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली में दोपहर 02:00 बजे से खेले जाने वाले वनडे विश्वकप 2023 के 13वें मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर नेट रन रेट में सुधार करने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड की इस टूर्नामेंट में शुरुआत अच्छी नहीं रही थी तथा उसे पांच अक्टूबर को अहमदाबाद में खेले गए मैच में पहले मैच में न्यूजीलैंड से 9 विकेट से हारने के बाद जोस बटलर की अगुआई वाली टीम ने हालांकि धर्मशाला में बांग्लादेश को 137 रन से हराकर अच्छी वापसी की। इंग्लैंड की टीम अरुण जेटली स्टेडियम की सपाट पिच पर बड़ा स्कोर खड़ा करने के लिए अपने सलामी बल्लेबाजों से अच्छी शुरुआत की उम्मीद करेगी। यह अपेक्षाकृत छोटा स्टेडियम है और यहां अभी तक जितने भी मैच खेले गए है, उनमें बड़ा स्कोर बना है। कप्तान बटलर के अलावा हैरी ब्रूक और लियाम लिविंगस्टोन भी मध्यक्रम में उपयोगी योगदान देने के लिए बेताब होंगे। इंग्लैंड ने पिछले मैच में मोईन अली की जगह रीस टोपली को टीम में शामिल किया था। जिन्होंने चार विकेट लिए थे। वोक्स, वुड, करेन और राशिद सभी फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने पिछले मैच में न सिर्फ किफायती गेंदबाजी की बल्कि विकेट भी हासिल किए। इंग्लैंड अगले मैच में भी अपने खिलाड़ियों से इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

केन विलियमसन की बुरी किस्मत नहीं छोड़ रही पीछा, अंगूठा हुआ फ्रैक्चर, कीवि टीम की बढ़ी मुश्किल

केन विलियमसन को लेकर न्यूजीलैंड की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उन्होंने लंबे समय बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापिस की, लेकिन इस माच में उनके अंगूठे पर एक गेंद लगी जिस कारण से उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ा। अब स्कैन के बाद पता चला है कि उनके अंगूठे में फ्रैक्चर है और वह टॉम ब्लंडेल को उनके कवर के रूप में बुलाया गया है। हालांकि, विलिमयसन टीम के साथ बने रहेंगे और अगले महीन तक वापसी करने पर उनकी नजरें होंगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शनिवार को अपने अधिकारिक एक्स अकाउंट पर इसकी पुष्टि करते हुए लिखा, एक्सरे में केन के बाएं अंगूठे में फ्रैक्टर की पुष्टि हुई है। वह अगले महीने पूल प्ले के लिए मौजूद रहने के लक्ष्य के साथ वर्ल्ड कप टीम में बने रहेंगे। टॉस ब्लंडेल कवर के रूप में भारत की यात्रा करेंगे। इसे केन विलियमसन की बुरी किस्मत ही कहेंगे, कि उनकी चोटों का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा है। इससे पहले वो आईपीएल के दौरान चोटिल हुए थे और उन्हें आईपीएल से बाहर होना पड़ा। उस समय उनके पैर में चोट लगी थी, उसी चोट से ठीक होने के 6 महीने बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी की। वहीं वर्ल्ड कप में उन्होंने दो मैच भी मिस किए लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ खेलते हुए वो अपने अंगूठे में चोल लगवा बैठे।

क्रिकेट रिकॉर्ड 364 रन से जीता मैच, लूसिया टेलर ने 169 रन और अल्बर्टिना गैलन ने 145* रन जड़े, एक ओवर में बने 52 रन

अर्जेंटीना ने टी20 में ठोंके 427 रन, दो शतक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हाल ही में एशियन गेम्स के दौरान पुरुष टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में नेपाल की टीम ने मंगोलिया के खिलाफ 300 रनों का आंकड़ा पार किया था। अब अर्जेंटीना महिला क्रिकेट टीम ने चिली के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 427 रन बोर्ड पर लगाए।

सलामी बल्लेबाज लूसिया टेलर (169) और अल्बर्टिना गैलन (145*) ने शतकीय पारी खेली। इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 350 रनों की साझेदारी हुई, यह भी एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। लूसिया और अल्बर्टिना के अलावा नंबर तीन पर बैटिंग करने उतरीं मारिया कैस्टिनिरास ने भी चिली की गेंदबाजों को नहीं बक्शा और 16 गेंदों पर नाबाद 40 रन जड़ दिए। इस पारी में अर्जेंटीना की बैटर्स ने एक भी छक्का नहीं लगाया। लूसिया टेलर ने 84 गेंदों पर 27 चौकों की मदद से 169 रन और अल्बर्टिना गैलन ने 84 गेंदों पर 23 चौकों की मदद से नाबाद 145 रन और मारिया कैस्टिनिरास ने 16 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से नाबाद 40 रन जड़े। 428 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी चिली की टीम 15 ओवर में मात्र 63 के स्कोर पर सिमट गई। चिली की एक बैटर ही इस दौरान दहाई का आंकड़ा पार करने में कामयाब रही, वहीं 5 बैटर शून्य पर आउट हुईं। अर्जेंटीना ने इस मैच में चिली पर 364 रनों की विशाल जीत दर्ज की जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है और आगे आने वाले समय में यह रिकॉर्ड बहुत मुश्किल ही टूटेगा।

अर्जेंटीना बनाम चिली मैच में बने रिकॉर्ड्स

- **427**- महिला और पुरुष टीम द्वारा एक पारी में बनाए गए सर्वाधिक रन।
- **364** - महिला और पुरुष क्रिकेट में रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत।
- **73** - चिली ने अतिरिक्त रन लुटाने का भी विश्व तोड़ा, इससे पहले रोमेनिया महिला टीम ने 72 एक्स्ट्रा रन लुटाए थे।
- **169** - लूसिया टेलर ने महिला क्रिकेट की एक पारी में सर्वाधिक रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया।
- **108** - लूसिया टेलर ने महिला क्रिकेट में बाउंड्री की मदद से सबसे अधिक रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- **92** - कॉन्स्टैंजा ओयार्स ने महिला क्रिकेट में 4 ओवर के कोटे में सबसे अधिक रन लुटाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया।
- **52** - चिली की फ्लोरेंसिया मार्टिनेज ने एक ओवर में 52 रन खर्च कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

लवकुश रामलीला, दिल्ली

आवरण कथा / रेणु खंतवाल

आज से शारदीय नवरात्र आरंभ हो रहे हैं। आने वाले नौ दिन मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा के साथ ही अनेक शहरों, महानगरों और कस्बों में रामलीलाओं का आयोजन भी किया जाएगा। रामलीला आयोजित करने की सदियों पुरानी परंपरा में अब तकनीक के साथ नामचीन कलाकारों के सम्मिलित होने से दिव्य रामकथा का स्वरूप और भी भव्य होता जा रहा है। रामलीलाओं की लोकप्रियता और भव्यता पर एक दृष्टि।

दिव्य कथा की भव्य रामलीलाएं

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। श्रीराम की कथा-लीलाओं को मंचित होते देखने का आनंद लोग सदियों से लेते आ रहे हैं। यही वजह है कि शारदीय नवरात्र आरंभ होते ही हर तरफ रामलीलाओं की गूंज सुनाई देने लगती है। आज के दौर में लोगों की दिलचस्पी अब वृहद स्तर पर होने वाली भव्य रामलीलाओं में ज्यादा होने लगी है। इन रामलीलाओं में अब सेट डिजाइनिंग से लेकर साउंड, लाइट और तकनीक हर चीज में ऐसे बदलाव होने लगे हैं, जो दर्शकों को रोमांच से भर देते हैं। फिल्म और टीवी कलाकार भी इन रामलीलाओं में भाग लेते हैं। इस साल भी देश में कई स्थानों पर वृहद स्तर पर रामलीलाओं का मंचन हो रहा है तो पारंपरिक तरीके से चली आ रही कई छोटी रामलीलाएं भी आयोजित की जा रही हैं।

लव-कुश रामलीला

दिल्ली में आयोजित होने वाली लव-कुश रामलीला लगभग सौ साल पुरानी है। पहले इसका नाम सनातन धर्म रामलीला था, जो फतेहपुरी में आयोजित होती थी। वर्ष 1989 से रामलीला का मंचन लालकिले के निकट हो रहा है, तभी से इसका नाम बदलकर लव-कुश रामलीला रख दिया गया। इस रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार बताते हैं, 'रामलीला में हर बार नवीनता लाने के लिए हम सेट डिजाइनिंग, कलाकारों की ड्रेस, मेकअप में बदलाव करते हैं। जैसे इस बार भगवान राम का किरदार गगन मलिक निभा रहे हैं, जो जी टीवी पर 2012 में प्रसारित 'रामायण' में श्रीराम बने थे। लक्ष्मण का चरित्र टीवी कलाकार दिशांक अरोड़ा और माता सीता की भूमिका में हरियाणवी फिल्मस्टार कविता जोशी दिखेंगी, जबकि रावण, अभिनेता मुकेश ऋषि बने हैं। इनके अलावा अमिता नागिया मंदोदरी की भूमिका निभाएंगी। इस बार स्टंट सींस के लिए 150-200 फीट ऊंची क्रेन, बड़ी-बड़ी स्क्रींस, एलईडी, ग्राफिक्स से रामलीला का मंचन जीवंत और भव्य होगा।'

अयोध्या की रामलीला

अयोध्या की रामलीला

इस बार अयोध्या की मुख्य रामलीला का चौथा संस्करण आयोजित हो रहा है। यह दुनिया की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली रामलीला है। दूरदर्शन, अन्य धार्मिक चैनलों समेत यूट्यूब और सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव प्रसारण किया जाता है। इस रामलीला का आयोजन रामकथा पार्क नया घाट पर किया जाता है। रामलीला आयोजन कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मलिक बताते हैं, 'जब पहली बार यहां रामलीला हुई थी तो रवि किशन, मनोज तिवारी, बिंदु दारा सिंह, भाग्यश्री, शहबाज खान, सोनू डागर, असरानी शामिल हुए थे। इस बार जो कलाकार रामलीला में हिस्सा ले रहे हैं, उनमें पूनम ढिल्लो, भाग्यश्री, गजेंद्र चौहान, रजा मुराद, राकेश बेदी, गिरिजा शंकर, अनिल धवन, रवि किशन, सुनील पॉल और अवतार गिल शामिल हैं।'

कुछ अन्य प्रसिद्ध रामलीलाएं

पिछले पचास साल से श्री धार्मिक रामलीला कमेटी, दक्षिणी दिल्ली में भव्य रामलीला का आयोजन करा रही है। दिल्ली की दस भव्य रामलीलाओं में इसकी गिनती होती है। इस रामलीला के मुख्य संरक्षक राकेश गुलिया बताते हैं, 'इस बार रामलीला का भव्य मंच अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर की थीम पर है। यह रामलीला के दौरान दर्शकों को बहुत ही आनंददायक अनुभूति कराएगा।' इसी तरह दिल्ली की श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित होने वाली रामलीला, मुगलों के समय में आरंभ हुई, ब्रिटिश शासन में होती रही और अपनी उसी भव्यता के साथ आज भी आयोजित की जाती है। पहले यह लालकिले के पीछे खादर में होती थी। सन् 1930 से दिल्ली के रामलीला मैदान में होने लगी। कमेटी के चेयरमैन अजय अग्रवाल कहते हैं, 'दिल्ली के सबसे बड़े पार्क में हमारी रामलीला होती है। रामलीला के दौरान हम 22 झांकियां निकालते हैं। बहुत बड़ी संख्या में लोग इन झांकियों में शामिल होते हैं।'

श्री धार्मिक रामलीला, दक्षिणी दिल्ली

सनातन धर्म सभा समिति द्वारा आयोजित धामिक रामलीला कमेटी रामलीला का आयोजन कई सालों से मयूर विहार फेज वन स्थित श्रीराम मंदिर के बहुत बड़े प्रांगण में करती आ रही है। सनातन धर्म सभा से जुड़े गोविंद सिंह पवार के अनुसार, 'इस रामलीला आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को अपने धर्म और संस्कृति से जोड़ना है। इसके अलावा सबको साथ लेकर चलने, सबसे मित्रता रखने, रिश्तों में प्रेम, समर्पण और त्याग सिखाने वाले भगवान श्रीराम के चरित्र को जन-जन तक पहुंचाना भी है। रामलीला को अभिनय, संगीत, संवाद, रामलीला के गीत और चौपाइयों के माध्यम से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।' *

रामलीला में भाग लेने वाले प्रसिद्ध कलाकारों के उद्गार

भाग्यश्री

रवि किशन

मनोज तिवारी

अमिता नागिया

जब भी मैं अयोध्या में रामलीला का हिस्सा बनने के लिए आती हूं तो मुझे एक अलग ही प्रकार की आध्यात्मिक संतुष्टि मिलती है। मेरी आत्मा प्रसन्न हो जाती है। मैं और मेरा परिवार अयोध्या की रामलीला से जुड़कर बहुत खुश होते हैं। -भाग्यश्री

मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि भगवान राम की जन्मभूमि में आयोजित रामलीला के प्रथम संस्करण से जुड़ा हूं। इस बार मैं प्रभु राम के मित्र केवट की भूमिका निभा रहा हूं। - रवि किशन

मेरा तो नाम ही र अक्षर से शुरू होता है और मुराद में म। जहां मैं पैदा हुआ उस जगह का नाम है रामपुर। मैंने जो पहली फिल्म की वह भी र अक्षर से थी। मेरी बड़ी हिट फिल्म का नाम 'राम तेरी गंगा मैली' थी। ऐसे में आप समझ सकते हैं कि रामलीला मेरे लिए क्या मायने रखती है! -रजा मुराद

मैं तो रामलीला में कोई भूमिका निभाए बिना रह ही नहीं सकता, क्योंकि रामलीला मेरी आत्मा में बसी है। मैं लीला में कोई भी किरदार निभा लूं, मुझे बहुत आत्मसंतुष्टि मिलती है। -मनोज तिवारी

मैं इस साल अयोध्या की रामलीला में नारद मुनि की भूमिका निभा रहा हूं। मेरे लिए बहुत गर्व का पल है कि अयोध्या नगरी में आयोजित रामलीला से मैं जुड़ा हूं। - सुनील पाल

मैं आठ सालों से लव-कुश रामलीला में भाग ले रही हूं। इस दौरान मैंने मंदोदरी, कौशल्या, कैकेई का किरदार निभाया। इस साल मंदोदरी की भूमिका में हूं। रामलीला में काम करके मन को सुकून और शांति मिलती है। - अमिता नागिया

धरने के चौथे दिन छात्रों ने मां दुर्गा की तस्वीर रख कालेज प्रशासन की सद्बुद्धि के लिए की प्रार्थना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पीजी कॉलेज के प्रांगण में छात्रों ने चौथे दिन रविवार को भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। सभी छात्रों ने नवरात्रि में धरना स्थल पर मां दुर्गा कि तस्वीर रखकर पूजन-अर्चन के साथ माता रानी से महाविद्यालय प्रशासन के सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना किया। बता दें कि छात्र विगत चार दिनों से 32 सूत्रीय मांगों के सम्बन्ध में धरना दे रहे हैं । पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन नहीं चाहता है कि छात्रसंघ बहाल हो क्योंकि छात्र संघ कि अनुपस्थिति में ही अवैध वसूली सहित तमाम शोषण छात्रों पर किये जा सकते हैं यदि चुनाव होते तो छात्रों कि समस्या छात्रों द्वारा चुना गया पदाधिकारी महाविद्यालय प्रशासन से मजबूती से करा लेता है। महाविद्यालय प्रशासन जल्द से जल्द छात्रसंघ चुनाव नहीं कराता है तो छात्र उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। पूर्व छात्रसंघ महामंत्री सुधांशु तिवारी ने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन छात्रों के साथ हो रहें शोषण को बंद करें अन्यथा छात्र महाविद्यालय के सभी प्रशासनिक कक्षों में तालाबंदी करने को मजबूर होंगे। वही छात्र नेता रविकांत यादव ने कहा कि पहले के प्राचार्य समय से आते थे और छात्रों के बीच रहकर सभी समस्याओं का निवारण करते थे जबकि वर्तमान समय के प्राचार्य तानाशाही रवैया अपनाते हुए छात्रों का शोषण कर रहे हैं जिसे हम सभी छात्र नेता बर्दाश्त नहीं करेंगे। छात्र नेता धन्नजय कुशवाहा ने कहा कि हमारी सभी 32 सूत्रीय मांग जायज है और महाविद्यालय प्रशासन भी जानता है परन्तु अपने गलत कुकर्मों को छिपाने के लिए महाविद्यालय प्रशासन छात्रों से दूरी बना रहा है। सभी मांगों पर महाविद्यालय प्रशासन जल्द से जल्द धरना में आकर पूरा नहीं करता है तो आंदोलन को छात्र उग्र करने को बाध्य होंगे जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन व जिला प्रशासन की होंगी। अनिश्चितकालीन धरना का समर्थन स्वामी सहजानंद पीजी कॉलेज के वरिष्ठ छात्र नेता सिद्धांत सिंह करन, कन्हैया चौरसिया,अमन सिंह ने किया। छात्रों कि प्रमुख मांग मुख्य रूप से छात्र संघ चुनाव कराने, प्राचार्य के महाविद्यालय में समय से आने कि मांग,बीपीई प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर प्रवेश ले,अवैध वसूली बंद करें, फीस वृद्धि वापस लें, पुस्तकालय में नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत पुस्तकें उपलब्ध कराने, कालेज कि वेबसाइट पर सभी सूचना और नई फीस विवरण उपलब्ध कराने, कालेज के कैमरों को ठीक करने के साथ ही महाविद्यालय के गलियारों में सीसीटीवी कैमरे लगाने,साइकिल स्टैंड फीस कम करने, कालेज कि वेबसाइट को सरल करने, कालेज की वेबसाइट पर शिकायत पोर्टल उपलब्ध कराने के साथ ही महाविद्यालय में आफलाइन शिकायत काउन्टर बनाने, स्नातक द्वितीय,तृतीय स्नातकोत्तर द्वितीय में प्रवेश फार्म शुल्क निशुल्क करने, आरो वाटर मशीन लगाने कि मांग,महाविद्यालय में पठन-पाठन का माहौल बनायें,सभी शिक्षक व कर्मचारी समय से आए सहित आदि मांग है। धरना में शामिल छात्र नेता विकास यादव,आकाश चौधरी, आरती बिन्द,निलेश बिन्द,शैलेश यादव, प्रिंस प्रजापति, ईश्वर यादव,अनुज यादव, सुशांत राय, आदित्य कुमार,राज कुमार पासवान, अभिषेक गौण,प्रशान्त बिन्द, आशुतोष यादव, अमृतांश बिन्द, निखिल आदि सैकड़ों छात्र मौजूद रहे।

भुड़कुडा पुलिस ने किया चोरी से सम्बन्धित 03 नाबालिक अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के कुशल निर्देशन में उप निरीक्षक गुलाम हुसैन मय हमराह द्वारा रवीवार को जयनाथ इण्टर कालेज सोफीपुर के पास से 3 अभियुक्तगण को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तगण के कब्जे से चोरी की गई वस्तुएं जिनमे दो अदद सोलर पैनल , एक अदद यूपीएस, इन्वर्टर मशीन , एक अदद बैट्री , एक अदद प्रिंटर बरामद किया गया । गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक गुलाम हुसैन, कांस्टेबल जितेन्द्र प्रताप सिंह, कांस्टेबलराहुल मिश्रा, कांस्टेबल अमित वर्मा, कांस्टेबल सोनू यादव शामिल रहे।

जगत जननी मां के पूजन अर्चन का महापर्व है शारदीय नवरात्रि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से आरम्भ होने वाला शारदीय नवरात्रि का महापर्व रविवार से आरम्भ हो गया। श्रद्धालुओं द्वारा मन्दिरों व घरों में कलश स्थापना कर जगतजननी मां जगदम्बा का पूजन अर्चन वैदिक विधि विधान से आरम्भ हुआ। मां कामच्छा धाम करहिया, मां कष्टहारिणी मन्दिर करीमुद्दीनपुर सहित सभी देवी मन्दिरों में भक्त श्रद्धालुओं के पूजन अर्चन का क्रम दिन भर चलता रहा। शास्त्रों में नवरात्रि के पवित्र दिनों में माता जगदम्बिका के नौ रुपों की आराधना का विधान है। नवरात्रि के प्रथम दिन शैलपुत्री, दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन चंद्रघंटा, चौथे दिन कूष्मांडा, पांचवे दिन स्कंदमाता, छठे दिन कात्यायनी, सातवें दिन कालरात्रि, आठवें दिन महागौरी व नौवें दिन सिद्धिदात्री का पूजन अर्चन विधि विधान से किया जाता है। भक्तों द्वारा व्रत रखने अंग प्रत्यंगों की आंतरिक सफाई हो जाती है, क्योंकि इन नौ दिनों में सात्विक भोजन और सात्विक रहन-सहन के कारण चित्त शांत रहता है। शरीर के सभी अंगों को पवित्र और शुद्ध रखने से मन पवित्र व चित्त निर्मल होता है और छठी ज्ञानेन्द्री जागृत और सक्रिय होती है। अध्यात्म जगत में तीर्थस्थल माने जाने वाले सिद्धपीठ हथियाराम मठ में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पीठाधिपति महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानी नन्दन यति जी महाराज के संरक्षकत्व में शारदीय नवरात्र महोत्सव आरम्भ हो गया है। नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ प्रथम दिवस रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापित कर हवन पूजन से हुआ। नवरात्रि पर्यंत चलने वाले इस वृहद अनुष्ठान में पुण्य लाभ की कामना के साथ शिष्य श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। श्रद्धालुओं ने मां वृद्धम्बिका माता का पूजन करते हुए फूल-माला, प्रसाद अर्पित कर तथा महामंडलेश्वर स्वामी श्री भवानी नन्दन यति जी महाराज की चरणरज लेकर अपने को धन्य किया।

इस नवरात्र 'मंडली' उठाएगी रामलीला के पीछे का परदा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इस बार नवरात्र के मौके पर रामलीला के थीम पर बनी फिल्म 'मंडली' की टीम वाराणसी में फिल्म और रामलीला के किरदारों पर की परिचर्चा 15 अक्टूबर रविवार कों मैदागिन स्थित पराड़कर स्मृति भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में फिल्म के कलाकार और निमार्ता ने बताया आगामी 27अक्टूबर को सिनेमा घरों में यह रिलीज होने के लिए तैयार है` 'पैडमैन' और 'केसरी' जैसी बड़ी फिल्मों में अभिनय कर चुके राकेश चतुर्वेदी 'ओम' के निर्देशन में बनी फिल्म 'मंडली' नवरात्र के बीच चर्चा में है हर वर्ष छोटे शहरों में होने वाली रामलीला के दौरान आयोजकों द्वारा अपने वित्तीय लाभ के लिए कराए जाने वाले बार- बालाओं के अश्लील नृत्य जैसे विषय पर फिल्म की पटकथा आधारित है `इस फिल्म में अभिनेता अभिषेक दुहान, आंचल मुंजाल, रजनीश दुग्गल और बृजेंद्र काला मुख्य भूमिका में है रेल्टिक पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को प्रशांत कुमार गुप्ता, गीतिका गुप्ता और नीटू सबरवाल ने निर्माण किया है` फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार, कंवलजीत सिंह, अलका अमीन, अश्वथ भट्ट, सहर्ष शुक्ला और नीरज सूद जैसे कलाकार भी रामलीला के मंच के पीछे के परदे को उठाते नजर आएंगे` फिल्म के विषय को लेकर निमार्ता प्रशांत बताते हैं कि फिल्म की कहानी कुछ ऐसे कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है जो रामलीला मंडली में काम करते हैं धर्म ग्रन्थ रामायण के किरदारों को कलाकार मंडली अपनी कला से समाज के बीच प्रदर्शित करती है फिल्म के विषयवस्तु में रामायण में आस्था, समाज के शक्तिशाली लोगों के बीच संघर्ष और दर्शकों के आकर्षण को बनाने के लिए अश्लील नृत्यों का समावेश व्यक्तिगत लाभ के करने पर केंद्रित है जहां रामलीला में परदे के पीछे का शोषण भी है तो दूसरी ओर फिल्म 'मंडली' शक्ति और विश्वास को दर्शकों के सामने लेकर आती है फिल्म के कलाकार आंचल मुंजाल और अभिषेक दुहान रविवार को वाराणसी के लोगों के बीच रहे इस दौरान कलाकार वाराणसी में विभिन्न स्थलों पर भ्रमण किया और अपने प्रशंसकों से भी इस दौरान मुलाकात किया` पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से अभिनेता अभिषेक दुहान, अभिनेत्री आंचल और निमार्ता प्रशांत कुमार गुप्ता ,स्मिता सिंह ,सिमरन उपस्थित रहे।

रोटरी ने वृद्धाश्रम में वितरित की साड़ियां, अंगवस्त्र एवं फल

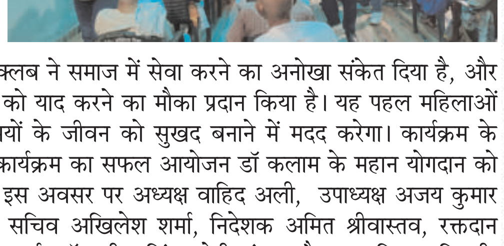

प्रखर कसया। रोटरी क्लब कुशीनगर ने पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 92 वीं जयंती के अवसर पर एक महत्वपूर्ण समाजसेवा पहल की। इस अवसर पर, रोटरी द्वारा वृद्धाश्रम कसया में महिलाओं को साड़ी वितरण और पुरुषों को अंग वस्त्र और फल वितरण का आयोजन किया गया है। रोटरी क्लब के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से, रोटरी क्लब ने समाज में सेवा करने का अनोखा संकेत दिया है, और डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के महान योगदान को याद करने का मौका प्रदान किया है। यह पहल महिलाओं और पुरुषों के साथ ही वृद्धाश्रम के निवासियों के जीवन को सुखद बनाने में मदद करेगा। कार्यक्रम के संयोजक गोपीचंद कसौधन ने कहा कि इस कार्यक्रम का सफल आयोजन डॉ कलाम के महान योगदान को याद रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर अध्यक्ष वाहिद अली, उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, निदेशक अमित श्रीवास्तव, रक्तदान संयोजक विजय कृष्ण द्विवेदी, अरूण कुमार वर्मा, डॉ सुनील सिंह, गोपी चंद कसौधन, अभिमन्यु तिवारी, अभिमन्यु आर्य, विकास श्रीवास्तव, रागिनी बुंदेला, मनोज पाण्डेय एवं आदिल खान उपस्थित रहे।

कायस्थ महासभा ने क्रांतिकारी पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी की मनाई जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रवीवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकताओं की एक बैठक जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर आयोजित हुई। इस बैठक में दिनांक 26अक्टूबर को महान स्वतंत्रता सेनानी एवं क्रान्तिकारी पत्रकार शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी जी की जयंती पर माल्यार्पण कार्यक्रम, विचार गोष्ठी एवं समाज के नवोदित पत्रकारों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक में दिनांक 15नवम्बर को उर्दू बाजार से निकलने वाली भगवान श्री चित्रगुप्त जी की शोभायात्रा को सफल बनाने पर भी व्यापक रूप से चर्चा की गयी। बैठक में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि संगठित होना आज की जरूरत है क्योंकि बिखरा एवं टूटा हुआ समाज न कभी विकास कर सकता है न अपना नेता बना सकता है । उन्होंने समाज के उन वर्गों से नसीहत लेने का आह्वान किया जो संगठित होकर देश और प्रदेश में सत्ता के शिखर पर है। उन्होंने कहा कि संगठित और अनुशासित होकर विरासत में मिले समाज के गौरवशाली इतिहास को बढ़ाने की जरूरत है।

कहानी

हरीश कुमार 'अमित'

तृप्ति

प्रशांत बाबू की पत्नी जब जिंदा थीं तो वह उनके खाने-पीने का पूरा ध्यान रखती थीं। इतने प्यार-स्नेह से खाना परोसती थीं कि वह भूख से ज्यादा खा लेते थे। अब बहू पर निर्भर हैं, जो मिल जाता है, खामोशी से खा लेते हैं। नहीं मिला तो भुने चने, बिस्कुट से ही पेट भर लेते हैं। बहू से कोई शिकायत नहीं रहती। वृद्धावस्था में इंसान कितना अकेला हो जाता है, एक मार्मिक कहानी।

बिस्तर पर लेटे हुए प्रशांत बाबू उठ कर बैठ गए। भूख बर्दाश्त से बाहर होने लगी थी। उन्होंने सिरहाने रखा मोबाइल फोन उठाया और उसे आंखों के करीब लाकर वक्त देखा। साढ़े दस बजने वाले थे। प्रशांत बाबू बड़ी बेसब्री से नाश्ते का इंतजार कर रहे थे। मगर नाश्ता बनाए जाने की कोई आवाज रसोई से आ नहीं रही थी। जो आवाजें उन्हें सुनाई दे रही थीं, वे सुनीता (उनकी बहू) और उसकी सहेली की बातों और हंसी-ठिठोली की थीं। सुनीता की सहेली कल रात को उनके यहां आई थी। हालांकि किसी ने प्रशांत बाबू को कुछ बताया नहीं था, लेकिन इधर-उधर से आती आवाजों से उन्हें पता चल गया था कि सुनीता की सहेली दफ्तर के किसी काम से इस शहर में आई थी और एकाध दिन तक उसका उनके यहां रुकने का कार्यक्रम था। अपनी सहेली के आए होने के कारण सुनीता ने दफ्तर से एक दिन की छुट्टी ले ली थी। इस बात का पता भी उन्हें इधर-उधर की आवाजों से ही चला था।

आज सुबह की चाय भी प्रशांत बाबू को बड़ी देर से मिली थी। दफ्तर से छुट्टी होने के कारण या फिर पिछली रात को अपनी सहेली से देर तक गपशप करने की वजह से सुनीता आज सुबह देर से जागी थी। शायद इसीलिए उन्हें सुबह की चाय देर से मिली थी। मगर एक प्याला चाय और उसके साथ मिले दो नमकीन बिस्कुट कब के हज्म हो चुके थे। चाय भी वे फीकी ही पीते थे। मधुमेह के मरीज जो थे। सुबह-सुबह उनके पोते अंशुल को स्कूल जाना होता था। फिर उनके बेटे, रजत को दफ्तर। सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना बनाने के अलावा सुनीता को दफ्तर जाने के लिए तैयार भी होना होता था। इन्हीं वजहों से प्रशांत बाबू को सुबह का नाश्ता मिलने में अकसर देर-सवेर हो जाया करती थी। यह नाश्ता घर में झाड़ू-पोंछा करने और बर्तन साफ करने वाली, निम्मो के हाथों ही आमतौर पर उन तक पहुंचता था। खुद सुनीता तो उन्हें नाश्ते की प्लेट पकड़ाने कभी-कभार ही आया करती थी।

लेकिन आज तो नाश्ते का कोई अता-पता ही नहीं था। निम्मो अपना काम करके कब की जा चुकी थी और सुनीता अपने कमरे में सहेली के साथ बातों में मशगूल थी। भूख के मारे प्रशांत बाबू के पेट में गुड़गुड़ की आवाजें होने लगी थीं। भूख मिटाने के लिए उन्होंने सिरहाने के पास पड़ी तिपाई पर रखी बोतल से थोड़ा-सा पानी पिया। पानी पी लेने से कुछ देर के लिए उनकी भूख भले ही शांत हुई, पर थोड़ी देर बाद उन्हें फिर से भूख सताने लगी। वे बिस्तर पर लेट गए और अपना ध्यान बंटाने के लिए पुरानी बातों के बारे में सोचने लगे। उन्हें याद आया कि किस तरह उनकी पत्नी रुक्मिणी उनके खाने-पीने का पूरा-पूरा ख्याल रखा करती थी। हमेशा उन्हें गरमा-गरम खाना मिला करता था। इतने प्यार और स्नेह के साथ वह खाना परोसती थी कि कई बार वे भूख से ज्यादा भी खा लिया करते थे।

तभी कुछ आवाजों से उनका ध्यान टूटा। रसोई की तरफ से आ रही आवाजें सुनीता और उसकी सहेली की थीं। इन आवाजों से उन्हें यह भान हो गया कि वे दोनों कोई नई डिश बनाने की तैयारी में हैं। भूख के मारे प्रशांत बाबू की बेचैनी बढ़ती जा रही थी। उनका दिल चाहने लगा था कि वे मोबाइल फोन से सुनीता को फोन करके नाश्ता देने के लिए कहें। ऊंची आवाज लगा पाने की ताकत तो उनमें बची नहीं रह गई थी इस उम्र में, मगर खाना मांगने के लिए उनका मन तैयार नहीं हो रहा था। खाना देने के लिए उन्होंने आज तक कभी भी सुनीता को कहा नहीं था। जब भी उन्हें खाना दिया जाता, वे चुपचाप खा लिया करते थे।

तभी उन्हें ध्यान आया कि तिपाई पर रखे डिब्बे में फीके बिस्कुट और भुने चने रखे हैं। अभी कल ही उन्होंने अंशुल को पैसे देकर पास वाली दुकान से ये दोनों चीजें मंगवाई थीं। जब भी उन्हें हल्की-फुल्की भूख सताती, वे एक-दो बिस्कुट या थोड़े से भुने चने खा लिया करते थे। पांच साल पहले रुक्मिणी के इस दुनिया से चले जाने के बाद से वे ये दोनों चीजें मंगवाकर हमेशा अपने पास रखा करते थे। भूख अब उनकी बर्दाश्त से बिल्कुल बाहर होती जा रही थी। रसोई से आ रही सुनीता और उसकी सहेली की हंसी-मजाक और खिलखिलाहट की आवाजों से लग रहा था कि कोई नई डिश बनाने की अभी शुरुआत ही हुई है। प्रशांत बाबू से रहा नहीं गया। वे सिरहाने के सहारे अधलेटे-से हो गए। फिर हाथ बढ़ाकर उन्होंने बिस्कुट के डिब्बे का ढक्कन खोला और उससे एक बिस्कुट निकालकर खाने लगे, पर इससे उनकी भूख शांत होने की बजाय और चमक उठी। उन्होंने डिब्बे से दो बिस्कुट और निकाले और एक-एक करके उन्हें खा गए। तभी उनकी नजर भुने चनों वाले डिब्बे पर पड़ी और उन्होंने उसका ढक्कन खोलकर कुछ चने अपनी हथेली पर उड़ेल लिए। फिर उन्होंने हथेली पर रखे सारे चने खा लिए, चने खाकर उन्हें प्यास-सी महसूस हुई, तो उन्होंने तिपाई पर रखी बोतल से थोड़ा-सा पानी पी लिया। लेकिन उनकी भूख अभी शांत नहीं हुई थी। फिर उन पर न जाने क्या धुन सवार हुई कि वे बारी-बारी से बिस्कुट और भुने चने खाने लगे, साथ ही बीच-बीच में बोतल से थोड़ा-थोड़ा पानी भी पीते जाते। हौले-हौले दोनों डिब्बे खाली हो गए। बोतल का पानी भी खत्म हो गया। तभी सुनीता नाश्ते की प्लेट लिए उनके कमरे में आई और प्लेट उनकी तरफ बढ़ाते हुए बोली, 'आज नाश्ते में इटैलियन डिश..।' उसी समय प्रशांत बाबू के मुंह से डकार की आवाज आई। फिर उन्होंने इंकार की मुद्रा में सिर हिलाते हुए कहा, 'भूख नहीं है मुझे।' उसी समय सुनीता की नजर प्रशांत बाबू के सिरहाने पड़ी तिपाई पर रखे डिब्बों पर पड़ी। खाली डिब्बे देखते ही वह सारी बात समझ गई। सुबह जब वह चाय देने आई थी तो दोनों डिब्बे पूरे भरे हुए थे। तभी प्रशांत बाबू के मुंह से निकली एक और डकार की आवाज सुनीता को सुनाई दी। *

"जाणता राजा" मनोरंजन नहीं हिंदू जागरण का प्रतीक है : अनिल ओक

प्रखर प्रयागराज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख अनिल ओक ने यहां कहा कि चुनौतियों से घिरे हुए अपने देश को छत्रपति शिवाजी महाराज की कुशल रणनीति की आज पहले से कहीं अधिक जरूरत है,इसलिए शिवाजी आज सर्वाधिक प्रासंगिक है। छत्रपति शिवाजी महाराज की 350वीं जयंती के उपलक्ष में काशी में आयोजित होने वाले जाणता राजा की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए शनिवार को उन्होंने यह बात कही। मेडिकल कॉलेज स्थित प्रीतम दास मेहता प्रेक्षा गृह में विचार परिवार के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि काशी में सेवा भारती की ओर से आयोजित होने वाला यह नाटक केवल मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि हिंदुत्व के विशालजागरण के लिए हो रहा है। 350 साल पहले शिवाजी महाराज जितने प्रासंगिक थे आज उससे भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं ।शिवाजी की प्रशासनिक राजनीतिक सामाजिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक नीतियों का विस्तार से वर्णन करते हुए अपने ओजस्वी उद्बोधन में श्री ओकने कहा कि शिवाजी महाराज कीसराहना उनका सबसे बड़ा दुश्मन औरंगजेब भी करता था। उसने कहा था हुकूमत करना हो तो शिवा का चलन सीखो।

उन्होंने कहा कि आज देश को मिर्जा राजा जयसिंह तथा बाजी प्रभु देशपांडे एवं जयचंद तथा पृथ्वीराज के बीच अंतर करना सीखना होगा। देश में जितनी श्रेष्ठ प्रशासनिक व्यवस्था शिवाजी ने दी थी उतना शायद ही कोई दे पाएगा। कर्मचारियों के लिए अनुकंपा नियुक्ति तथा पेंशन योजना एवं सभी गरीबों के घर ढाई शेर अनाज पहुंचने की योजना शिवाजी ने लागू की थी। उन्होंने समर्पित देशभक्त एवं जुझारू योद्धाओं के बल पर हिंदवी स्वराज्य की स्थापना कीथी।आज देश में सैकंडो मिजार्राजा जयसिंह पैदा हो गए हैं शिवाजी के नीति का अनुपालन करते हुए इन्हें अलग-थलग करना सीखना होगा ।आज देश को फिर से खंडित करने के कुचक्र चले जा रहे हैं देश चुनौतियों से घिरा हुआ है ।सांस्कृतिक एवं धार्मिक आक्रमण हो रहे हैं। सनातन धर्म को लांछित किया जा रहा हैं। इसलिए शिवाजी की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है । उन्होंने कहा कि जाणता राजा नाटक युवकों की प्रेरणा का संवाहक बनेगा उन्होंने बताया कि 21 से 26 नवंबर तक एमपी थियेटर मैदान काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी में यह नाटक सायं काल 530 बजे से 8:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। प्रयागराज जिले से 10000 दर्शकों को ले जाने की योजना है। इस जिले के लोग 23 नवंबर को यह नाटक देख सकेंगे । उन्होंने स्पष्ट किया कि नाटक देखने के लिए टिकट की व्यवस्था की गई है। इस टिकट से होने वाली आय से काशी के कैंसर अस्पताल के सामने तीमारदारो के लिए आवासीय व्यवस्था की जाएगी ।इसके लिए भूमि की व्यवस्था हो चुकी है।

इसके पूर्व समिति के संरक्षक प्रसिद्ध कथावाचक शांतनु जी महाराज ने जाणता राजा के महत्व एवं उसकी प्रासंगिकता पर अत्यंत ओजस्वी शब्दों में प्रकाश डाला। ? उन्होंने कहा कि शिवाजी के जीवन से वर्तमान पीढ़ी पूरी तरह अपरिचित है इसलिए इस नाटक का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। मंच पर काशी प्रांत के संघ चालक डॉ विश्वनाथ लाल निगम एवं सह विभाग संघचालक नागेंद्र जी भी मौजूद थे ।संचालन सह विभाग कार्यवाह घनश्याम ने तथा आभार प्रदर्शन विभाग कार्यवाह डॉ संजय ने किया ।इस अवसर प्रांत प्रचारक प्रमुख रामचंद्र , सह प्रांत कार्यवाह प्रोफेसर राज बिहारी, प्रांत प्रचार प्रमुख मुरारजी विभाग प्रचारक आदित्य , संजीव विभाग प्रचार प्रमुख वसु पाठक नगर निगम के महापौर गणेश केसरवानी भाग कार्यवाह मुकेश , डॉ एसपी सिंह राजेश्वर सिंह गंगा दत जोशी भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा मोहन टंडन समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

"रोटरी क्लब कुशीनगर ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 92वीं जयंती पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया"

प्रखर कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था रोटरी क्लब कुशीनगर ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 92वीं जयंती पर उनकी स्मृति में एक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन कसया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में किया। इस कार्यक्रम में अशोक प्रजाति के 20 पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं रोटरी के संरक्षक राकेश जायसवाल रहे। उन्होंने डॉक्टर कलाम के विचारों के महत्व को बताते हुए, उनके विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा कि इस पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से हम डॉ. कलाम के राष्ट्र के प्रति समर्पण को

याद करते हैं। चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि मिसाइल मैन डॉ कलाम की जयंती पर यह कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के परिसर के सौंदर्यिक और पौधारोपण के माध्यम से समुदाय के सामाजिक और पर्यावरणिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद कुशीनगर के अधिशासी अधिकारी संतोष कुमार, रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली, उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्त, उपाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, निदेशक अमित श्रीवास्तव, सहसचिव अखिलेश शर्मा, रक्तदान संयोजक विजय कृष्ण द्विवेदी, डॉ. सुनील सिंह, चिकित्साधिकारी डॉ. आशुतोष पाण्डेय, दिनेश तिवारी भोजपुरिया, आदिल खान सहित कई प्रमुख गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने परिचारक के रोके गए वेतन को जारी करने का दिया आदेश

प्रखर जौनपुर। विकासखंड डोभी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले श्री मथुरा सिंह इंटर कॉलेज कोइलारी में कार्यरत परिचारक उमाकांत दीक्षित का वेतन रोकने का आदेश जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा आरटीआई की शिकायत के बाद दिया गया था। बता दे कि उक्त मामले में श्री मथुरा सिंह इंटर कॉलेज के परिचारक उमाकांत दीक्षित ने बताया कि मेहनाजपुर निवासी सुरेंद्र प्रजापति ने मेरे खिलाफ जिला विद्यालय निरीक्षक से जन सूचना के माध्यम से मेरी नियुक्ति को फर्जी बताते हुए, जांच करने की मांग की थी। जिसको लेकर जांच कमेटी बैठा दी गई। जिसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वेतन को रोकने का आदेश दिया गया। इसके बाद मैंने सभी दस्तावेज जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय में प्रस्तुत

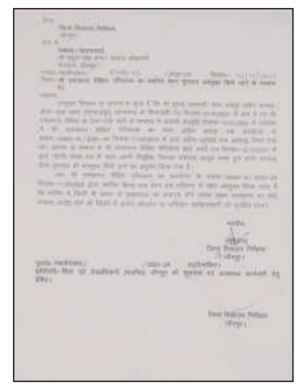

किया, जिसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अवरूद्ध वेतन को जारी करने का आदेश दे दिया गया। साथ ही वेतन जारी करने के आदेश के पत्र को डाक द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय से श्री मथुरा सिंह इंटर कालेज को भेज दिया गया। बताते चले कि जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जारी किए गए वेतन देने के पत्र में लिखा गया है कि श्री मथुरा सिंह इंटर कॉलेज के प्ररिचारक उमाकांत दीक्षित द्वारा दिनांक 12 अक्टूबर को नोटरी शपथ पत्र के माध्यम से अपनी नियुक्ति संबंधित सभी पत्र प्रस्तुत किया गया। और अनुरोध किया गया कि उनके रुके हुए वेतन को जारी कर दिया जाए। जिसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी दस्तावेजों के अवलोकन के बाद वेतन जारी करने का आदेश दे दिया।

संक्षिप्त खबरें

एसबीआई द्वारा 39 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर में की गई सीएसआर गतिविधि

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय स्टेट बैंक की 39 जीटीसी (रक्षा बैंकिंग शाखा) शाखा द्वारा सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत 39 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर वाराणसी को एम्बुलेंस प्रदान किया गया इस अवसर पर ब्रिगेडियर राजीव नाग्याल ने भारतीय स्टेट बैंक की सराहना करते हुए कहा कि बैंकिंग क्षेत्र के साथ ही एसबीआई अपने सामाजिक दायित्वों का भी पूरी तरह निर्वहन करता है उन्होंने कहा कि समस्त भारत में जहाँ-जहाँ सेना है वहाँ-वहाँ एसबीआई अपनी सेवाएं हमें प्रदान कर रहा। एसबाआई के उप महाप्रबंधक धीरज कुमार ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक 39 जीटीसी में कार्यरत सभी सैनिकों एवं परिवार के लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह एम्बुलेंस समर्पित करता है उन्होंने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक से जुड़ा प्रत्येक ग्राहक हमारे एसबीआई परिवार का सदस्य है और उसकी सम्पूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जहाँ तक बैंक कुछ कर सकता है उसके लिए हम सदैव तत्पर हैं। इस अवसर पर 39 जीटीसी के कर्नल के.एम सिंह, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक सुधांशु श्रीवास्तव, शाखा प्रबंधक आकाश सिंह के साथ अन्य सैन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बैंक के स्टाफ उपस्थित थे।

सी.आर.पी.एफ.ऑल इंडिया महिला मोटरसाइकिल अभियान : 2023

प्रखर पूर्वान्चल चन्दौली। ग्रुप केन्द्र चन्दौली के प्रांगण में महिला मोटरसाइकिल दल का विदाई समारोह कार्यक्रम मुख्य अतिथि दर्शना सिंह, सांसद, राज्यसभा, दलजीत सिंह चौधरी भा.पु.से, विशेष महानिदेशक, सी.आर.पी. एफ एवं सतपाल रावत, पुलिस महानिरीक्षक, मध्य सेक्टर लखनऊ के गौरवमयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। फ्लैग ऑफ समारोह के दौरान ग्रुप केन्द्र चन्दौली द्वारा उपस्थित सभी लोगों को सी.आर.पी.एफ में तैनात महिला कर्मियों के शौर्य एवं वीरता से संबंधित वीडियो का प्रदर्शन किया गया जिसके उपरांत दर्शना सिंह सांसद राज्यसभा, दलजीत सिंह चौधरी,भा.पु. से. विशेष महानिदेशक, राकेश कुमार पुलिस उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र चन्दौली ने यशस्विनी अभियान, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं अभियान के बारे में जनता

को अवगत कराया एवं सी.आर.पी.एफ महिला बाईकर्स दल को सफल यात्रा के लिए शुभकामनायें देते हुए 15 अक्टूबर 2023 रविवार कों ग्रुप केन्द्र चन्दौली से प्रयागराज हेतु हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। ग्रुप केन्द्र चन्दौली से रवाना होने के उपरांत सी.आर.पी. एफ की महिला बाईकर्स दल का रोटरी क्लब द्वारा शहीद उद्यान वाराणसी में स्वागत समारोह किया गया जहां सी.आर.पी.एफ की महिला बाईकर्स दल ने इस अभियान का उद्देश्य एवं अपने अनुभव को साझा किया। उक्त कार्यक्रम के अंत में वहां उपस्थित मुख्य अतिथि द्वारा सी.आर.पी.एफ महिला बाईकर्स दल को अगली यात्रा के लिए शुभकामनायें देते हुए प्रोत्साहित कर रोटरी क्लब, वाराणसी से प्रयागराज हेतु हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया गया।

संतकबीरनगर के मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, कपाट खुलते ही गूंजे जय माता दी के जयकारे

प्रखर संतकबीरनगर। शारदीय नवरात्र के शुरू होते ही भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है. खलीलाबाद शहर के आजाद चौक पर स्थित प्राचीन समय माता मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतार लगी रही. शारदीय नवरात्र आज यानी रविवार (15 अक्टूबर) से शुरू हो गए हैं. संतकबीरनगर में शारदीय नवरात्र को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है. सुबह से ही मंदिरों में जय माता दी के जयकारों की गूंज के साथ श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. नवरात्र को लेकर बाजार में रौनक देखी गई. आज सुबह से ही खलीलाबाद शहर के आजाद चौक पर स्थित प्राचीन समय माता मंदिर, मेंहदावल नगर पंचायत में मां नगर वाली माता मंदिर, नाथ नगर, हैसर, पौली, बखिरा, धर्मसिंघवा के तमाम अलग अलग मंदिरों में माता रानी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतार लगी रही. व्रत रखने वालों ने बाजार में व्रत के सामान की जमकर खरीदारी की. व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं में महिलाओं की संख्या ज्यादा रही. वृतधारी महिलाओं ने माता रानी की पूजन सामग्री की खरीदारी की.

प्रथम दिन मां शैलपुत्री की हुई आराधना– मंदिरों में प्रथम दिन माता शैलपुत्री की पूजा की गई. मंदिर के पुजारियों के अनुसार शैलपुत्री माता का यह रूप अनेक नामों से लोक प्रसिद्ध है. सती, पार्वती, दुर्गा, उमा, अपर्णा, गौरी, महेश्वरी, शिवांगी, शुभांगी, पर्वतवासिनी आदि नाम शामिल हैं. पूर्व जन्म में इनके पिता दक्ष थे. राजा दक्ष ने प्रजेश होने पर यज्ञ किया पर अपने दामाद शिव को निमंत्रण नहीं दिया. भगवान शंकर की अनुमति के बिना सती अपने पिता के यहां चली गई. यज्ञ स्थल पर पहुंचने पर सती का तिरस्कार हुआ. इस पर सती यज्ञ की अग्नि में कूद पड़ी. सती का अगला जन्म शैलराज की पुत्री पार्वती के रुप में हुआ।

बाजारों में महंगाई की मार भक्त हैं लाचार–

नवरात्र के शुरू होते ही बाजार में पूजन सामग्री में भारी उछाल आ गया है. व्रत में प्रयोग होने वाले खाद्य पदार्थो से लेकर पूजन सामग्री खरीदना लोगों के बस से बाहर हो गया है. बाजार में पांच रुपये वाली चुनरी 10 रुपये की में मिल रही है. नारियल 20 की जगह 25 और कलश 15 की जगह 20 रुपये में मिल रहा है। महंगाई की मार बाजारों में साफ तौर से देखा जा सकता हैं। सामानों के आसमान छूते दाम त्योहारों के रंगों को फीका कर रहे हैं।

भगत सिंह चौक से सेक्टर 2 बैरियर तक जल्द ही प्रस्तावित वेंडिंग जोन विकसित किया जाएगा : श्याम सुन्दर प्रसाद

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। नगर निगम हरिद्वार में टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही हरिद्वार के वेंडरो के लिए नए वेंडिंग जोन को विकसित किया जाएगा इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त फेरी समिति प्रभारी अधिकारी श्याम सुदर प्रसाद ने कहा टाउन वेंडिग अधिकारी कमेटी की मासिक बैठक में निर्णय लिया गया कि भगत सिंह चौक से सेक्टर 2 बैरियर तक जल्द ही प्रस्तावित वेंडिंग जोन विकसित किया जाएगा जिसके लिए लगभग सारी सभी औपचारिकता पूर्ण कर ली गई है। टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक जिलाधिकारी के प्रतिनिधि डिप्टी कलेक्टर लक्ष्मी राज चौहान ने कहा कि जो वेडिंग जॉन विकसित किया जा रहे हैं उनमें लगने वाले रेहड़ी की गुणवत्ता की नगर निगम की प्रशिक्षण कमेटी से जांच करा ली जाए कि मानक के अनुरूप जिस एजेंसी द्वारा रेडी को बनाया जा रहा है वे भविष्य में रेहड़ी की आयु निधारित की जाए सके। लघु व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने बताया कि अति शीघ्र अन्य वेंडिंग जोन हरिद्वार में विकसित किए जाएंगे जिसमें उत्तरी हरिद्वार का वेंडिंग जोन प्रमुख है उन्होंने ने ये भी कहा इसके अलावा कमेटी ने निर्णय लिया कि जो वेंडिंग जोन वर्तमान में चल रहे हैं उनके रखरखाव पर ध्यान देते हुए सुविधाएं मुहिया कराई जाए। कमेटी की बैठक में स्ट्रीट वेंडर कमेटी के नेता संजय चोपड़ा, डिप्टी कलेक्टर लक्ष्मी राज चौहान ,सहायक नगर आयुक्त श्याम सुन्दर प्रसाद, कर एवं राजस्व अधीक्षक सुनीता सक्सेना, वेदपाल, सिटी मेशन मैनेजर अंकित सिंह रमोला, हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण से प्रतिनिधि अधिकारी पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधि अधिकारी सिंचाई विभाग के प्रतिनिधि अधिकारी सहित लघु व्यापारी के प्रतिनिधियों में राजकुमार एंथोनी ,सुमन गुप्ता, कमल सिंह, विमल वर्षणये, नम्रता सरकार , पूनम माखन, आजम अंसारी, जमील अंसारी, अनूप सिंह ,कामिनी मिश्रा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

रामपंथ में शामिल हुई सैकड़ों दलित महिलाएं

राम परिवार भक्ति के प्रचार के लिए दलित महिलाएं बनेगी जानकीचार्या, श्रीगुरुजी के साथ अयोध्या तक पैदल यात्रा करेंगी दलित महिलाएं

प्रखर केराकत (जौनपुर)। श्रीराम परिवार भक्ति आंदोलन की लहर सोनभद्र के पाटी गांव से शुरू होकर आग की तरह पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में फैल रही है। आदिवासी समाज की पहल पर सोनभद्र में रामपंथ ने भगवान श्रीराम के साथ उनके भाइयों और उनकी पत्नियों का मंदिर बनवाकर वैश्विक परिवार को बचाने की बड़ी पहल कर दी है। रामपंथ के सर्वोच्च पंथाचार्य डॉ० राजीव श्रीगुरुजी को अनवरत दलित समाज अपने बीच में बुला रहा है। केराकत के डेहरी गांव की नीतू और रीता के नेतृत्व में दलित महिलाओं की बड़ी सभा बुलाई गई। दलित समाज में इतना उत्साह था कि बड़ी संख्या में बकुलिया गांव की सीमा पर विशाल भारत संस्थान के जिला चेयरमैन नौशाद शेख के नेतृत्व में विशाल भारत संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रामपंथ के पंथाचार्य डॉ० राजीव श्रीगुरुजी का भव्य स्वागत किया। डेहरी गांव में पहुंचते ही दलित महिलाओं ने श्रीगुरुजी का स्वागत किया। उनकी आंखों में गजब का आत्मविश्वास था। जबरन धर्मान्तरण की शिकार हुई दलित महिलाओं को बस रामभक्ति से जुड़ने की छटपटाहट थी। जब श्रीगुरुजी ने भगवान राम परिवार की पवित्र तस्वीर दलित महिलाओं को दी तो उनकी आंखों से आंसू आ गए। दलित महिलाओं ने पूछा कि हमे अपने भगवान से इतनी दूर क्यों रखा गया। सबको भगवान के परिवार की भक्ति का संदेश दिया गया। अब दलित परिवार में भगवान राम, भगवान भरत, भगवान लक्ष्मण, भगवान शत्रुघ्न के साथ माता जानकी, माता मांडवी, माता उर्मिला, माता श्रुतकीर्ति और हनुमान जी की पूजा शुरू की जाएगी। इस अवसर पर डॉ० राजीव श्रीगुरुजी ने कहा कि दलित समाज हिन्दू धर्म और संस्कृति का संरक्षक रहा है। जब भी धर्म पर कोई संकट आया है तब दलित परिवारों ने अपना पूरा जीवन न्योछावर कर दिया। भगवान राम की भक्ति के साथ उनके पूरे परिवार की भक्ति संयुक्त परिवार को बचाने वाली होगी, आपसी भरोसा बढ़ेगा। भगवान राम का संदेश जन जन तक पहुचेगा तो एक दूसरे के लिए त्याग की प्रवृत्ति बढ़ेगी। माताओं की पूजा से महिलाओं को शक्ति मिलेगी और अपने अधिकारों के लिए लड़ने में सक्षम होंगी। श्रीराम परिवार की भक्ति से परिवार और समाज ताकतवर होगा। अब राम परिवार की भक्ति का आंदोलन हर गांव में फैलेगा। इस अवसर पर दलित चिंतक एवं सुभाषवादी नेता ज्ञान प्रकाश ने कहा कि बहुत दिन तक हमे हमारे भगवान से ही दूर रखा गया। अब दलित समाज जागरूक हो गया है। अब हमारा अभियान चला अपने राम के पास है। हम भी दीक्षा लेंगे और दर्शन करेंगे। हिन्दू धर्म का अस्तित्व ही राम से है और राम हमारे है। विशाल भारत संस्थान की राष्ट्रीय महासचिव डॉ० अर्चना भारतवंशी ने कहा कि अब राम भक्ति के सहारे देश को जोड़ेंगे। जातियों में नफरत फैलाने वाले कामयाब नहीं होंगे। विशाल भारत संस्थान की नेशनल कोऑर्डिनेटर आभा भारतवंशी ने कहा कि भगवान राम ने हमेशा दलित और आदिवासियों को गले से लगाया और अपनी मानवीय लीला में उनसे ही रावण का वध करवाकर शांति का संदेश दिया। 20 लाख से अधिक दलित महिलाए अपने धर्म को बचाने के लिए आगे आएंगी। रामपंथ घर घर तक भगवान के सभी भाइयो की पूजा शुरू करवाएगा। सुभाषवादी नेता नजमा परवीन ने कहा कि सनातन धर्म पर आस्था रखने वाले सभी को भवसागर से प्रभु श्रीराम अवश्य पार कराएंगे।

इस कार्यक्रम में नौशाद शेख, संतोष कुमार, फरहान, अफरोज खान मोनी, सुभाष यादव, मो० सादिक, नीतू, रीता, नीलम, वंदना, लीलावती, मीना, कुमारी, उषा, शीला, सितारा, राधिका, फुला, वीफाई आदि लोग मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं